E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 80 | प्रयागराज, मंगलवार 02 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरानी राष्ट्रपति ने इस्तीफा दिया, दावा- सत्ता आईआरजीसी कमांडरों के कंट्रोल में

सीनियर अफसर ने इस्तीफे का दावा खारिज किया

तेहरान। ईरान में राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई को अपना इस्तीफा भेजा है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, पजशकियान ने अपनी चिट्ठी में लिखा कि देश की सत्ता पर अब पूरी तरह इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडरों का कंट्रोल हो गया है। रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि, पजशकियान के मुताबिक फरवरी में अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से उनकी सरकार को बड़े फैसलों में शामिल नहीं किया जा रहा है और वास्तविक नियंत्रण सैन्य नेतृत्व के हाथों में चला गया है। हालांकि, ईरानी प्रेसिडेंट कार्यालय में संचार और सूचना प्रसार विभाग के डिप्टी चीफ सैयद मेहदी तबातबाई ने इस रिपोर्ट को खारिज किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि राष्ट्रपति पजशकियान जनता की सेवा से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने इन खबरों को अफवाह बताते हुए कहा कि जैसे ईरानी जनता एकता और प्रतिरोध के रास्ते से पीछे नहीं हटेगी, वैसे ही पेजेशकियन भी लोगों की सेवा जारी रखेंगे। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-ब्यूफोर्ट किले पर इजराइल का कब्जाः इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 900 साल पुराने ब्यूफोर्ट किले और आसपास की पहाड़ियों पर

कब्जा कर लिया। यह पिछले 26 साल में इजराइल की लेबनान में सबसे बड़ी घुसपैठ है।इमरजेंसी मीटिंग बुलाने की मांगः फ्रांस ने लेबनान में इजराइल की बढ़ती सैन्य कार्रवाई को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने की मांग की है। ट्रम्प बोले- ईरानी सेना के खिलाफ सख्त एक्शन नहींः ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ने ईरानी सेना पर उतनी सख्त कार्रवाई नहीं की, जितनी वह दूसरे देशों की सेनाओं के खिलाफ करता रहा है। ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहींः ईरान ने कहा है कि जब तक यह भरोसा नहीं हो जाता कि उसके अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हैं, तब तक अमेरिका के साथ किसी भी समझौते को मंजूरी नहीं दी जाएगी। अमेरिका ने ईरान जा रहे जहाज को रोकाः अमेरिका ने ईरान की ओर जा रहे एक और मालवाहक जहाज को रोक दिया। 17 अप्रैल से अब तक अमेरिका 6 जहाजों को ईरान जाने से रोक चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान समझौता करना चाहता है और यह अमेरिका व उसके सहयोगियों के लिए अच्छा सौदा होगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में विपक्षी डेमोक्रेट्स और कुछ रिपब्लिकन नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि लगातार बयानबाजी से बातचीत मुश्किल हो जाती है। उन्होंने लिखा, 'कुछ लोग कहते हैं जल्दी करो, कुछ कहते हैं धीरे चलो, कुछ युद्ध की बात करते हैं और कुछ उसके खिलाफ बोलते हैं। इससे बातचीत करना और मुश्किल हो जाता है।' ट्रम्प ने लोगों से शांत रहने की अपील करते हुए कहा, 'बस आराम से बैठिए, आखिर में सब अच्छा होगा। हमेशा होता है।'

सिर्फ भारत ने हमारे इलाके नहीं कब्जाए हमने भी भारतीय जमीन पर कब्जा किया- पीएम नेपाल बालेन

विपक्षी पार्टी बोली- बालेन सबूत दिखाएं

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली जमीन

पर कब्जा नहीं किया, बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा किया है। अब दोनों देशों को मिलकर इस मामले की जांच करनी चाहिए। बालेन पीएम बनने के 2 महीने बाद पहली बार नेपाली संसद को संबोधित कर रहे थे। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, इस दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें इस बारे में जानकारी मिली। उनके बयान को लेकर विपक्षी दल नाराज हो गए हैं। नेपाली कांग्रेस और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के कई सांसदों ने मांग की कि यह बयान संसद की कार्यवाही से हटाया जाए। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री या तो अपने दावे के समर्थन में सबूत दें या फिर बयान वापस लें। इसके बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा कि 'सीमा-पार कब्जा' से मतलब नो-मैन्स लैंड के उन इलाकों से है, जहां दोनों देशों के लोग रहकर खेती करते हैं। लिपुलेख मुद्दे पर ब्रिटेन से मध्यस्थता की अपील की- प्रधानमंत्री से भारत और चीन के बीच लिपुलेख और लिम्पियाधुरा के रास्ते होने वाले व्यापार को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि विवाद का समाधान कूटनीतिक बातचीत से निकाला जाएगा। नेपाल इस मुद्दे पर भारत को राजनयिक नोट भेज चुका है और भारत की ओर से जवाब भी मिल चुका है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

जून में 4 बदलाव

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 53.50 रुपए तक महंगा,5 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम रु11 बढ़े

नयी दिल्ली। कॉमर्शियल सिलेंडर आज यानी 1 जून से 53.50 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में ये 3113.50 रुपए में मिल रहा है। 5 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 11 रुपए का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब इस सिलेंडर की कीमत 821.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा पेट्रोल, डीजल और एटीएफ, यानी हवाई जहाज के ईंधन पर नई एक्सपोर्ट ड्यूटी आज से लागू हो गई है। जून में होने वाले 4 बदलाव- 1. कॉमर्शियल सिलेंडर 53.50 रुपए तक महंगा- बदलावः तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर रु53.50 रुपए तक महंगा कर दिया है। दिल्ली में इसकी कीमत रु3113.50 हो गई है। पहले ये रु3071.50 में मिल रहा था। असरः कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली महंगी कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है। 5 किलो वाला फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर 11 रुपए महंगा- एफटीएल सिलेंडर की कीमत 11 रुपए बढ़कर 821.50 रुपए हो गई है। पहले इसकी कीमत रु810.50 रुपए थी। 5 किलो घरेलू सिलेंडर के दाम 339 रुपए पर स्थिर हैं। एफटीएल सिलेंडर को छोटू सिलेंडर भी कहते हैं जिसे कोई भी बिना एड्रेस प्रूफ के ले सकता है। इनका ज्यादातर इस्तेमाल प्रवासी मजदूर, छात्र या छोटे दुकानदार करते हैं। 2. पेट्रोल, डीजल और एटीएफ पर एक्सपोर्ट ड्यूटी घटी-बदलावः केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और हवाई जहाज के ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी घटा दी है। नई दरें आज 1 जून से लागू हो गई है। पेट्रोल के निर्यात पर ड्यूटी 1.5 रुपए प्रति

लीटर तय की गई है। डीजल के निर्यात पर ड्यूटी 13.5 रुपए प्रति लीटर रखी गई है।हवाई जहाज के ईंधन के निर्यात पर ड्यूटी 9.5 रुपए प्रति लीटर तय की गई है। असरः यह एक प्रकार का टैक्स है जो सरकार देश से बाहर बेची जाने वाली वस्तुओं पर लगाती है। टैक्स कम होने से रिफाइनरी कंपनियों को ज्यादा मुनाफा होगा। घरेलू पेट्रोल-डीजल के दामों पर कोई बदलाव नहीं होगा। 3. एचडीएफसी बैंक में छोटे यूपीआई ट्रांजैक्शन पर एसएमएस अलर्ट बंद होगा-बदलावः एचडीएफसी बैंक छोटे अमाउंट के यूपीआई लेन-देन पर मिलने वाले मोबाइल एसएमएस नोटिफिकेशन्स को पूरी तरह बंद कर रहा है। पैसे भेजने पर : जब आप रु100 से ज्यादा किसी को ट्रांसफर करेंगे, तभी एसएमएस आएगा। पैसे मिलने परः जब आपके खाते में रु500 से ज्यादा की रकम आएगी, तभी एसएमएस आएगा। असरः अक्सर दिनभर में चाय, सब्जी या छोटे-मोटे खर्चों के लिए रु10, रु20 या रु50 के कई यूपीआई पेमेंट होते हैं। इनके बार-बार आने वाले मैसेज से इनबॉक्स भर जाता था, जिससे अब राहत मिलेगी। 4. सब्सिडी वाले सोलर पैनल पर सख्त नियम-बदलावः अब रूफटॉप सोलर और नेट-मीटरिंग प्रोजेक्ट्स में सरकार के मान्यता प्राप्त मैन्युफैक्चर्स के ही सोलर पैनलों का उपयोग होगा। असरः इस फैसले के कारण घरेलू स्तर पर बने प्रमाणित पैनलों की मांग बढ़ेगी। इससे उपभोक्ताओं को शुरुआती खर्च तो ज्यादा देना पड़ेगा, लेकिन लंबे समय के लिए बेहतर क्वालिटी और वारंटी वाले सुरक्षित सोलर सिस्टम की गारंटी मिलेगी।

भारत-अमेरिका के बीच 4 दिन की बातचीत,व्यापार समझौता फाइनल हो सकता है, इसमें भारत खरीदेगा रु47 लाख करोड़ के अमेरिकी प्रोडक्ट

नयी दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच आज यानी सोमवार से 4 दिनों की हाई लेवल व्यापारिक बातचीत शुरू होगी। दोनों देशों के अधिकारी दिल्ली में उस अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देंगे, जिसके फ्रेमवर्क पर इसी साल फरवरी में सहमति बनी थी। बैठक का उद्देश्य अंतरिम समझौते को आखिरी कानूनी रूप देना-इस 4 दिवसीय बैठक में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वहां के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच कर रहे हैं। वहीं, भारतीय टीम की कमान वाणिज्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार दर्पन जैन के हाथों में है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अंतरिम समझौते के कानूनी रूप से अंतिम रूप देना है। इसके साथ ही दोनों पक्ष व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत मार्केट एक्सेस, नॉन-टैरिफ मेजर्स, कस्टम्स, ट्रेड फैसिलिटेशन, इन्वेस्टमेंट प्रमोशन और इकोनॉमिक सिक्योरिटी एलाइनमेंट जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बातचीत को आगे बढ़ाएंगे। फरवरी में बना था फ्रेमवर्कः अब ट्रंप के नए फैसलों के बाद फिर से करना होगा री-कैलकुलेशन- दोनों देशों ने 7 फरवरी को द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के रूप में एक अंतरिम समझौते के ढांचे को अंतिम रूप दिया था। इसके तहत अमेरिका भारत पर टैरिफ को 50फीसदी से घटाकर 18फीसदी करने पर सहमत हुआ था। साथ ही, रूसी तेल खरीदने के कारण भारतीय सामानों पर लगे 25फीसदी टैरिफ को हटा दिया गया था और बचे हुए 25फीसदी को घटाकर 18फीसदी किया जाना था। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत लगाए गए भारी रेसिप्रोकल टैरिफ के खिलाफ फैसला सुना दिया। इसके बाद ट्रंप ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10फीसदी का समान टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। इस बड़े बदलाव के कारण फरवरी में होने वाली वार्ता टल गई थी। बाद में अप्रैल (20 से 23 अप्रैल) में भारतीय टीम ने वाशिंगटन का दौरा किया था, और अब अमेरिकी टीम बातचीत को आगे बढ़ाने भारत आई है। बदले हुए माहौल में दोनों देशों को इस डील का दोबारा री-कैलकुलेशन करना होगा। भारत खरीदेगा डॉ.500 बिलियन के अमेरिकी प्रोडक्ट- तय किए गए मौजूदा फ्रेमवर्क के तहत भारत ने अमेरिका के सभी इंडस्ट्रियल गुड्स और कृषि उत्पादों पर से टैरिफ हटाने या कम करने का प्रस्ताव दिया है। इसमें मुख्य रूप से ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, पशु चारे के लिए रेड सोरघम (लाल ज्वार), ट्री नट्स, ताजे और प्रोसेस्ड फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स शामिल हैं। इसके बदले में भारत ने अगले 5 सालों में अमेरिका से करीब 500 बिलियन डॉलर (लगभग रु47 लाख करोड़) के एनर्जी प्रोडक्ट्स, एयरक्राफ्ट और एयरक्राफ्ट पार्ट्स, कीमती धातुएं, टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स और कोकिंग कोल खरीदने की इच्छा जताई है। अंतरिम व्यापार समझौता क्या होता है? दो देशों के बीच पूरा (पूर्ण) व्यापार समझौता बनाने में समय लगता है – कई महीने या साल।

जून में 11 दिन बैंकों में काम नहीं होगा,4 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 5 दिन बैंक बंद

नयी दिल्ली। इस महीने यानी जून में देश के अलग-अलग बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम

बैंक हॉलिडे लिस्ट

तारीख	बंद रहने का कारण	कहां बंद रहेंगे
7 जून	रविवार	सभी जगह
13 जून	दूसरा शनिवार	सभी जगह
14 जून	रविवार	सभी जगह
15 जून	YMA डे और राजा संक्रांति त्योहार	आइजोल और भुवनेश्वर
21 जून	रविवार	सभी जगह
25 जून	मुहर्रम	विजयवाड़ा
26 जून	मुहर्रम	सभी जगह
27 जून	दूसरा शनिवार	सभी जगह
28 जून	रविवार	ज्यादातर जगह बैंक बंद रहेंगे
29 जून	संत कबीर जयंती	शिमला
30 जून	रेमना नि	आइजोल

राज्यों में कुल 11 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। आरबीआई की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार, अगले महीने 4 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 5 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंक बंद रहेंगे। ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निपटा सकेंगे काम-आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा। जून में शेयर बाजार में 9 दिन कारोबार नहीं- जून 2026 में शेयर बाजार में 9 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 8 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 26 जून को मुहर्रम पर भी बंद रहेगा।

ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया में भारतीय हथियारों की डिमांड बढ़ी,ब्रह्मोस, आकाश और नेत्र खरीदने में कई देश रुचि दिखा रहे, रु21,000 करोड़ की डील

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश, लॉयटरिंग इंडोनेशिया के साथ लगभग 3,600 करोड़ रुपए की डील अंतिम

म्यूनिशन और नेत्र जैसे भारतीय हथियारों के इस्तेमाल के बाद दुनिया में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। कई देशों ने इन्हें खरीदने में रुचि दिखाई है, जबकि कुछ के साथ हजारों करोड़ रुपए के सौदे भी हो चुके हैं। इनकी कीमत 21,000 करोड़ रुपए से अधिक है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले साल से 62फीसदी ज्यादा है। ब्रह्मोस के लिए फिलीपींस, वियतनाम और दो अन्य देशों से करीब 12,500 करोड़ रुपए के सौदे हो चुके हैं। मंजूरी के चरण में है। आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए अर्मेनिया से 6,100 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट पहले ही हो चुका है। भारत अब 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात करता है, जिनमें अमेरिका, फ्रांस और अर्मेनिया प्रमुख हैं। अमेरिका सबसे बड़ा खरीदार है जहां 2.8 अरब डॉलर के प्रणाली व कल्पुर्जे बोइंग और लॉकहीड मार्टिन जैसी बड़ी कंपनियों को जाते हैं। अर्मेनिया जैसे देश पूरे तैयार हथियार खरीद रहे। सरकार ने 2029-30 तक 50,000 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात लक्ष्य रखा है। 2016-17 में यह मात्र 1,522 करोड़ रुपए था। यानी एक दशक से कम समय में इसमें 25 गुना से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद मिले वैश्विक ध्यान ने इस लक्ष्य को और तेज गति देने के संकेत दिए हैं। भारतीय सेना 800 किमी से ज्यादा रेंज वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदने की तैयारी में है। फिलहाल सेना के पास 450 किमी तक मारक क्षमता वाली ब्रह्मोस मिसाइल मौजूद हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, रक्षा अधिकारियों ने बताया कि सेना इस नए वर्जन का बड़ा ऑर्डर देने की योजना बना रही है।

रूस बुढ़ापा रोकने की दवा की इजाद कर रहा,सूकर के अंदर इंसानी अंग उगाने पर काम जारी, रु2.47 लाख करोड़ का एंटी एजिंग प्रोजेक्ट

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने बढ़ती उम्र और शरीर की कमजोरी को रोकने के लिए 26 अरब डॉलर यानी करीब 2.47 लाख करोड़ रुपए का बड़ा

सरकारी प्रोजेक्ट शुरू किया है। 'न्यू हेल्थ प्रिजर्वेशन टेक्नोलॉजीज' नाम के इस प्रोग्राम में मिनी-पिग्स (विशेष प्रजाति के सुअर) के अंदर इंसानी अंग उगाने जैसे तकनीकों पर काम किया जाएगा। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट में जीन थेरेपी, लैब में इंसानी अंग तैयार करना और बेहद कम तापमान वाली क्रायोथेरेपी जैसी तकनीकों पर भी काम होगा। रूसी सरकार का दावा है कि इस मिशन का मकसद उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करना और दशक के अंत तक करीब 1.75 लाख लोगों की जान बचाना है। जीन थेरेपी से सेल्स की उम्र रोकने की कोशिशः रूस के डिप्टी साइंस मिनिस्टर डेनिस सेकिरीनस्की ने अप्रैल में कहा था कि वैज्ञानिक ऐसी जीन थेरेपी तैयार कर रहे हैं, जो शरीर की कोशिकाओं की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सके। उन्होंने इसे एंटी-एजिंग की दिशा में सबसे अहम रिसर्च में से एक बताया। इस प्रोजेक्ट का एक बड़ा हिस्सा बायोप्रिंटिंग पर आधारित है। इसमें 3डी प्रिंटर की मदद से जीवित टिश्यू और अंग तैयार किए जाते हैं। रूसी वैज्ञानिकों का दावा है कि वे इंसानी कार्टिलेज और चूहे की थायरॉयड ग्लैंड तैयार कर चुके हैं। लक्ष्य है कि 2030 तक इंसानी अंगों का पूरी तरह रिप्लेसमेंट किया जा सके। इसके साथ ही रूस जेनिटिकली मॉडिफाइड मिनी-पिग्स के अंदर इंसानी लिवर, किडनी और दिल को विकसित करने पर भी काम कर रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे भविष्य में ऑर्गन ट्रांसप्लांट की कमी दूर हो सकती है। पुतिन क्रायोथेरेपी और पेप्टाइड थेरेपी लेते रहे हैं-रिपोर्ट्स के मुताबिक पुतिन काफी समय से क्रायोथेरेपी और पेप्टाइड थेरेपी लेते रहे हैं। रूस के वैज्ञानिक व्लादिमिर खाविंसन पुतिन को बछड़ों के टिशू से बने खास पेप्टाइड्स देते थे। वे पेप्टाइड थेरेपी के जरिए एंटी-एजिंग इलाज का समर्थन करते थे। उनका दावा था कि इंसान 120 साल तक जी सकता है। ऐसा कहा जाता है कि पुतिन खुद को जवान रखने के लिए क्रायोथेरेपी का इस्तेमाल भी करते हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

यूपी में 75 में से 63 जिलों में बारिश का अलर्ट,प्रदेश में 5 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

लखनऊ। यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। सोमवार सुबह लखनऊ, आगरा समेत 25 से ज्यादा जिलों में बादल छाए रहे। धीरे-धीरे धूप निकल आई। हालांकि, हवा में नमी की वजह से गर्मी से राहत है। झांसी और ललितपुर में तेज बारिश हुई। संभल में धूलभरी आंधी चली। 50 से ज्यादा पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। देवरिया में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक, आज 63 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। पिछले 4 दिन में आंधी-बारिश के चलते पारा 8डिग्री लुढ़ककर 40डिग्री तक पहुंच गया। कहीं भी हीटवेव (लू) नहीं चल रही है। अगले 5 दिन यानी 6 जून तक मौसम ऐसा ही रहेगा। बारिश होती रहेगी। रविवार को बलिया, मुरादाबाद समेत 20 से ज्यादा जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। अमरोहा में ओले गिरे। लखनऊ में 10 साल के बच्चे पर दीवार गिर गई। लखीमपुर खीरी में 7 साल के बच्चे की जान चली गई। रामपुर में टिनशेड उड़कर बाइक सवार युवक पर गिर गया। बस्ती प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। अधिकतम तापमान 40डिग्री दर्ज किया गया। उरई (जालौन) में पारा 39.8डिग्री, बांदा में 39.2डिग्री, वाराणसी में 39डिग्री, प्रयागराज में 38.6डिग्री और झांसी में 38.3डिग्री दर्ज किया गया। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- 'बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आ रही नम हवाओं से यूपी में मौसम बदल गया है। 28 मई से सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आंधी-बारिश के हालात बने हुए हैं। अगले 5-6 दिन तक तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर जारी रहेगा। ओले भी गिर सकते हैं। पश्चिमी यूपी और तराई क्षेत्रों में तूफान का खतरा सबसे ज्यादा है। गर्मी और लू से राहत बरकरार रहेगी।' राजधानी लखनऊ का मौसम दोपहर 1 बजे अचानक बदल गया। सुबह से बादलों की आवाजाही जारी थी। धूप के बीच में बादल छा जा रहे थे। इस बीच दोपहर एक बजे हल्की धूप के साथ बूंदाबांदी होने लगी। यूपी में अगले दिनों कैसा रहेगा मौसम? जानिए 2 जूनः पश्चिमी यूपी में गरज चमक के साथ हल्की बारिश के आसार है। पूर्वी यूपी में मौसम साफ रहेगा। गर्मी से राहत बरकरार रहेगी। 3 जूनः पश्चिमी यूपी में बादल छाए रहेंगे। बिजली चमकेगी। हल्की बारिश के आसार है। पूर्वी यूपी में मौसम साफ रहेगा। 4 जूनः पूर्वी और पश्चिमी यूपी में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। हवी में नमी की वजह से गर्मी से राहत बरकरार रहेगी। 5 जूनः पूरे प्रदेश में बादल छाए रहेंगे। ठंडी हवाएं चलेंगी। हल्की बारिश होगी। पारे में 3 डिग्री की गिरावट आएगी। 6 जूनः ज्यादातर जिलों में हल्की बारिश के आसार हैं। हवा में नमी की वजह से मौसम ठंडा रहेगा। लू नहीं चलेगी। मानसून 4 जून तक केरलम पहुंचेगा, यूपी में सामान्य बारिश हो सकती है-मौसम विभाग ने बताया कि मानसून 4 जून तक केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है। आईएमडी के मुताबिक, जून से सितंबर तक देश में औसतन सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस बार मानसून सीजन में 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। देश में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है। मौसम विभाग ने कहा कि बिहार, यूपी में सामान्य बारिश हो सकती है, लेकिन बाकी कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है। खासकर बारिश पर निर्भर खेती वाले इलाकों में मानसून कमजोर रह सकता है।

विश्व तम्बाकू रहित दिवस पर भव्य जन-जागरूकता रैली न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह ने दिलाई नशामुक्त भारत की शपथ गूंजा 'जिन्दगी चुनें, नशा नहीं' का नारा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी कार्यालय, प्रयागराज क्षेत्र के तत्वावधान में सिविल डिफेंस एवं लायंस इंटरनेशनल मंडल 321-ई के विशिष्ट समन्वय से 'विश्व तम्बाकू रहित दिवस' के अवसर पर शनिवार को चन्द्रशेखर आजाद पार्क, कम्पनी गार्डन में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत प्रेरक जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री सत्यवीर सिंह, उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने सभी उपस्थित जनों को नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई एवं रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि 'तम्बाकू सेवन जानलेवा है। युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहकर 'जिन्दगी चुनें, नशा नहीं' के संकल्प के साथ आगे आना होगा।' उन्होंने प्रत्येक स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय में विशेष रूप से छात्राओं को नशा मुक्त समाज बनाने हेतु प्रेरित करने का आह्वान किया। रैली पार्क के गेट नं. 3 से प्रारंभ होकर गेट नं. 1 तक गई एवं वापस गेट नं. 3 पर समाप्त हुई। मुख्य अतिथि का स्वागत क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी सुश्री चारुल मिश्रा तथा लायन हिमांशु गुप्ता द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। विशिष्ट अतिथियों का स्वागत लायन डॉ. आर.के. सिंह, लायन शीतला प्रसाद जी, लायन जगमोहन अग्रवाल एवं लायन सतीश टंडन द्वारा किया गया। रैली में सिविल डिफेंस की ओर से उप नियंत्रक नीरज मिश्रा, सहायक उप नियंत्रक राकेश कुमार तिवारी, डिवीजनल वार्डन मनी मेहरा, डिप्टी डिवीजनल वार्डन राजेंद्र तिवारी 'दुकान जी', डिप्टी डिवीजनल वार्डन आशीष बाजपेई सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया। लायंस इंटरनेशनल मंडल 321-ई की ओर से कार्यक्रम के मुख्य संयोजक व प्रोटोकॉल अधिकारी लायन शीतला प्रसाद श्रीवास्तव के नेतृत्व में मण्डलाध्यक्ष लायन डॉ. अर्णधर दुबे, मण्डलाध्यक्ष निर्वाचित लायन उदय चंदानी, उप मण्डलाध्यक्ष प्रथम लायन उमेश चन्द्र कक्कड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त लायन रीना कमलेश जायसवाल, लायन शालिनी संजय गुप्ता, लायन माला धीरेन्द्र मिश्रा, डॉ. पुष्पेन्द्र, लायन अनिल, लायन सुनील, लायन श्याम जी केशरी, लायन हेमा अग्रवाल, लायन रोहित जायसवाल, लायन सुधीर कुमार, लायन शिव मूर्त, लायन प्रमोद श्रीवास्तव, लायन रवि गुप्ता आदि सैकड़ों लायन सदस्यों ने अपने-अपने क्लब बैनर के साथ रैली में भाग लेकर लायंस की एकता व सामाजिक सरोकार का परिचय दिया। सुश्री चारुल मिश्रा ने तम्बाकू व नशे के विरुद्ध निरंतर जन-जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। यातायात पुलिस निरीक्षक पवन पांडे ने भी कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन नशामुक्त एवं स्वस्थ भारत के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहित सिविल डिफेंस, लायंस क्लब, यातायात पुलिस एवं नुक्कड़ नाटक के प्रतिभागियों को सुश्री चारुल मिश्रा द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन अधीक्षक राजकीय उद्यान जगदीश प्रसाद द्वारा किया गया। लायन शीतला प्रसाद श्रीवास्तव एवं लायंस क्लब प्रयागराज गौरव ने सफल आयोजन हेतु सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

मातृभूमि सेवा मिशन इकाई रायबरेली का संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली 21 जून विश्व योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले पांच दिवसीय योग महोत्सव (18 से 22 जून) को भव्य एवं दिव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए मातृभूमि सेवा मिशन इकाई रायबरेली की कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष रामराज गिरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में योग, स्वास्थ्य, सेवा एवं अध्यात्म के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा विश्व योग दिवस कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने की रणनीति तैयार की गई। साथ ही 15 जून को आयोजित होने वाली समीक्षा बैठक में तैयारियों को अंतिम रूप देने का निर्णय लिया गया। बैठक में संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, संयोजक प्रदीप पाण्डेय, सचिव राकेश यादव, प्रो. डॉ. संजय सिंह, रामानुज मिश्रा, प्रकाश नारायण पाठक, देवेंद्र नाथ मिश्रा, अजय पाल सिंह चौहान एडवोकेट, अजय मिश्रा, राकेश त्रिपाठी, अशोक शर्मा, शिव मनोहर पाण्डेय, शिवचंद्र पाण्डेय, रश्मि पाण्डेय, सुमन यादव, राजेश पाण्डेय, अशोक सिंह, अनूप शर्मा एवं भगवत प्रताप सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। मातृभूमि सेवा मिशन इकाई रायबरेली योग।

आधुनिक समाचार

यमुना की गोद में बसा आस्था का अद्भुत धाम – सुजावन देव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) घूरपुर/प्रयागराज। यमुना नदी की मध्य धारा में ऊँची चट्टान पर स्थित सुजावन देव धाम आज भी श्रद्धा, इतिहास और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। घूरपुर से लगभग तीन किलोमीटर पश्चिम स्थित यह प्राचीन शिवधाम न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि प्रयागराज की सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। विशाल शिलाखंड पर स्थापित मंदिर दूर से ही श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित करता है। मान्यता है कि यहां भगवान शिव और यमुना देवी की पूजा होती है। हर वर्ष कार्तिक मास में यम द्वितीया (भैया दूज) के अवसर पर लगने वाला मेला लाखों श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींचता है। श्रद्धालु यमुना स्नान के बाद सुजावन देव के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना अर्चना शुरू हुई। हाल के वर्षों में सुजावन देव धाम को पर्यटन और धार्मिक दृष्टि से विकसित करने के प्रयास तेज हुए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यमुना तट पर स्थायी पक्के घाट के निर्माण की योजना को मंजूरी दी गई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इससे तीर्थयात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक महत्व और ऐतिहासिक विरासत से समृद्ध सुजावन देव धाम आज भी प्रयागराज के यमुनापार क्षेत्र की पहचान बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इस धरोहर का समुचित संरक्षण और विकास किया जाए तो यह राष्ट्रीय स्तर का प्रमुख धार्मिक-पर्यटन केंद्र बन सकता है। **विशेष संवाददाता, आधुनिक समाचार, प्रयागराज**

नोएडा विधायक पंकज सिंह ने विभिन्न सेक्टरों में जनसंवाद कर सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने आज सेक्टर 100, आम्रपाली सफायर-2 (सेक्टर 45), मन की बात कार्यक्रम (सेक्टर 29), एफ ब्लॉक कम्युनिटी सेंटर (सेक्टर 22), गरिमा विहार (सेक्टर 35), आम्रपाली प्लेटिनम (सेक्टर 119) तथा एल्डिको आमंत्रण (सेक्टर 119) में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रमों में सहभागिता कर स्थानीय निवासियों से संवाद किया तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसंवाद के दौरान क्षेत्रवासियों ने सड़क, सीवर, जल निकासी, पार्कों के रखरखाव, स्वच्छता तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याएं विधायक पंकज सिंह के समक्ष रखीं। सेक्टर 35 के निवासियों ने विशेष रूप से क्षेत्र के नाले को ढकने की मांग रखते हुए जनसुरक्षा एवं स्वच्छता की दृष्टि से आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया। लोगों ने कई जगह नए खुले शराब की दुकानों पर भी आपत्ति जताई, निवासियों की शिकायत थी कुछ दुकानें नियमों के विपरीत संचालित हो रहे हैं। जिस पर विधायक पंकज सिंह ने अधिकारियों से ऐसे दुकानों की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। पंकज सिंह ने संबंधित विभागों एवं नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान हेतु तत्काल कार्यवाही प्रारंभ की जाए तथा प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए। श्री पंकज सिंह ने आश्वस्त किया कि नोएडा के नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं और जनता के साथ संवाद का यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। कार्यक्रमों में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष - प्रमोद अवाना, अजीत सिंह, ज्ञानेंद्र अवाना, संदीप मित्तल, आनंद कुमार, मदन शर्मा, महेश अवाना,विनोद शर्मा, सुशील शर्मा, करतार चौहान, नीरज चौधरी, प्रदीप चौहान, दीनबंधु कुमार, रामकिशन यादव, आदित्य वशिष्ठ, अभिषेक श्रीवास्तव, गौरव सिंह, सारिका गुप्ता, डी.के.त्यागी, पंकज झा, गोपाल गौड, नमिता चौबे, अनुज शर्मा, रवि यादव , शिव मोहन, भगत भाटी, अरुण बैसोया, सहित बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, आरडब्ल्यूए पदाधिकारी,एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्युत बिल में बढ़ोत्तरी, दाद में खाज - ओपी यादव, जून से 10 प्रतिशत विद्युत बिल में बढ़ोत्तरी की घोषणा, विद्युत आपूर्ति की आवाजाही से जनता त्रस्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सेन्ट्रल बार मालामाल है, उनकी तिजोरियां भरी हुई है। विद्युत विभाग की

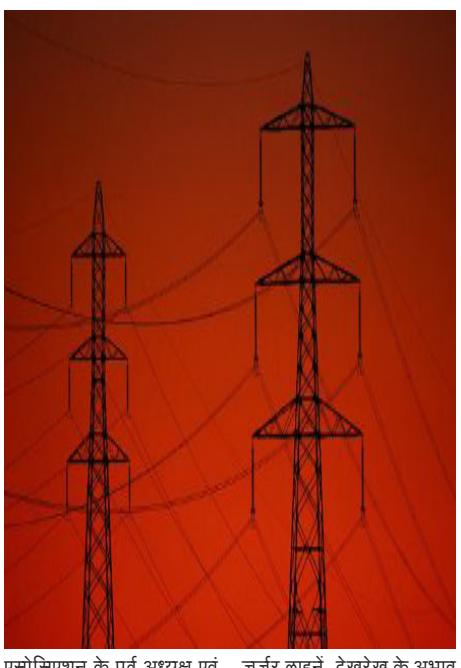

एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजवादी चिंतक ओपी यादव ने उ0प्र0 सरकार द्वारा जून से उ0प्र0 के विद्युत उपभोक्ताओं के बिल में 10 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी किए जाने के फरमान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि एक ओर तो विद्युत आपूर्ति की आवाजाही से जनता जनता त्रस्त है, ऊपर से विद्युत दरों में बढ़ौत्तरी ने दाद में खाज का काम किया है। विद्युत विभाग स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं को लूट रहा है। विभागीयकर्मी कामार्शियल कनेक्शनों के स्थान पर घरेलू कनेक्शन देकर विभाग को चूना लगा रहे हैं। पैसे लेकर बिना मीटर के भी विद्युत आपूर्ति कराते रहते हैं। परिणामस्वरूप विभाग घाटे में एवं विभागीय कर्मी जर्जर लाइनें, देखरेख के अभाव में पावर हाउस व ट्रांसफार्मर बीमार रहते हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि उ0प्र0 के ऊर्जा मंत्री, प्रधानमंत्री की नाक की बाल है। पी.एम.ओ. आफिस में कई वर्षो तक काम कर चुके हैं। प्रधानमन्त्री के बहुत करीबी थे। अपनी सेवाओं से त्याग-पत्र देकर उ0प्र0 में भाजपा से एम.एल.सी. बने और सरकार में ऊर्जा मंत्री बन गये। पी.एम. के चहेते ने ऊर्जा मंत्री बनते ही विद्युत उपभोक्ताओं पर अपने तुगलकी फरमान से कहर ढाना शुरू कर दिया। श्री यादव ने उ0प्र0 के महामहिम राज्यपाल व मुख्यमन्त्री से विद्युत की बढ़ी दरें वापस लेने एवं विद्युत आपूर्ति में आने वाली बाधाओं को समाप्त किये जाने की मांग की है।

ब्याज समेत भुगतान का आदेश पेंशनर्स में ख़ुशी की लहार सन्दर्भ में किया वकीलों का सम्मान

प्रयागराज। प्रयागराज के संबसे बड़े संस्थान (एजी ऑफिस) कार्यालय प्रधान महालेखाकार के पेंशनर्स को पहली जनवरी 1996 से -फरवरी 2003 तक के एरियर को ब्याज सहित भुगतान का आदेश केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) इलाहाबाद बेंच ने पारित किया है। इससे प्रसन्न पेंशनर्स ने मुफ्त में यह केस लड़ने वाले अधिवक्ताओं को शुक्रवार को सम्मानित किया। कार्यालय प्रधान महालेखाकार (आडिट) एवं (लेखा एवं हकदारी) कार्यालय के पेंशनर कर्मचारियों एवं मृतक आश्रितों के लिए याचिका धरा कल्याण समिति प्रयागराज की तरफ से दायर की गई थी। मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं 39 अन्य के वाद में भुगतान का यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव जोशी सदस्य (प्रशासनिक) और अंजनी नंदन शरण की खंडपीठ ने पारित किया है। केंद्र सरकार ने पहली जनवरी 1996 से 18 फरवरी 2003 तक याचीगण के पदों का वेतनमान संशोधित कर काल्पनिक वेतन निर्धारित किया था। भुगतान 19 फरवरी 2003 से किया था। पक्ष में निर्णय आने पर उन्होंने पूर्व महामंत्री व पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण बार एसोसिएशन अधिवक्ता जितेन्द्र नायक एवं प्रीती मिश्रा तथा उनकी सहयोगी डौली मिश्रा को एजी आफिस चौराहा पर फूल- मालाओं से लाद दिया। मनोज कुमार श्रीवास्तव, ओम प्रकाश गुप्ता, विनोद कुमार तथा धरा कल्याण समिति के महासचिव पंकज द्विवेदी की उपस्थिति उल्लेखनी चाही।

हिन्दी पत्रकारिता दिवसः लोकतंत्र की चेतना, समाज का दर्पण और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश रस्तोगी ने समस्त पत्रकार बंधुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों के संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, सामाजिक जागरूकता के संवर्धन तथा राष्ट्रहित के प्रति जनमानस को प्रेरित करने वाली एक सशक्त एवं उत्तरदायी व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता का गौरवशाली इतिहास त्याग, समर्पण, सत्यनिष्ठा और जनसेवा की उच्च परंपराओं से परिपूर्ण रहा है। श्री रस्तोगी ने कहा कि 30 मई 1826 को 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हिन्दी पत्रकारिता का जो दीप प्रज्वलित हुआ था, वह आज एक विशाल वटवृक्ष के रूप में समाज को दिशा प्रदान कर रहा है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर वर्तमान समय तक पत्रकारिता ने देश और समाज के समक्ष उपस्थित चुनौतियों, समस्याओं तथा उपलब्धियों को निष्पक्षता के साथ जनता तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। पत्रकारों ने सदैव जनभावनाओं को स्वर देने, सामाजिक सरोकारों को प्रमुखता प्रदान करने तथा शासन और जनता के मध्य एक सशक्त सेतु की भूमिका निभाई है। लोकतंत्र के चार स्तंभों में पत्रकारिता का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक जागरूक, निष्पक्ष और उत्तरदायी पत्रकार समाज में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को मजबूत करने में अहम योगदान देता है। पत्रकार अपने दायित्वों का निर्वहन अनेक विषम परिस्थितियों में भी निष्ठा और साहस के साथ करते हैं। सत्य को सामने लाने, जनहित के मुद्दों को उठाने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की चेतना जागृत करने में उनकी भूमिका अतुलनीय है। वर्तमान डिजिटल युग में पत्रकारिता की जिम्मेदारियां और अधिक बढ़ गई हैं। सूचना के तीव्र प्रवाह के इस दौर में तथ्यपरक, संतुलित और विश्वसनीय समाचारों का महत्व पहले से कहीं अधिक हो गया है। ऐसे समय में पत्रकारों का दायित्व है कि वे नैतिक मूल्यों, निष्पक्षता और सामाजिक उत्तरदायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें, जिससे समाज में विश्वास और जागरूकता का वातावरण सुदृढ़ हो सके। श्री रस्तोगी ने कहा कि व्यापारिक, सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों के विकास में भी पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकार समाज की नब्ज को समझते हुए विभिन्न वर्गों की समस्याओं, अपेक्षाओं और उपलब्धियों को सामने लाते हैं, जिससे नीति निर्माण और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को भी दिशा मिलती है। पत्रकार समाज के सजग प्रहरी हैं, जिनकी लेखनी लोकतंत्र की शक्ति और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। श्री रस्तोगी ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर सभी पत्रकारों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ जीवन और निरंतर प्रगतिशील कार्यों की कामना की तथा कहा कि सत्य, निष्पक्षता और जनसेवा की भावना से प्रेरित पत्रकारिता ही एक सशक्त, जागरूक और विकसित राष्ट्र के निर्माण का आधार बन सकती है।

आईएमएस नोएडा में समर स्कूल वर्कशॉप का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में विद्यार्थियों के लिए आयोजित समर स्कूल वर्कशॉप का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों की व्यावहारिक एवं कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करना है, जिससे वे भविष्य के करियर विकल्पों को बेहतर ढंग से समझ सकें और अपने व्यक्तित्व तथा पेशेवर कौशल का विकास कर सकें। आईएमएस नोएडा के सलाहकार प्रोफेसर डॉ. जे.के. शर्मा ने कहा कि समर स्कूल विद्यार्थियों के लिए सीखने और अपने कौशल को विकसित करने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यावहारिक अनुभव और उद्योग जगत की समझ भी उतनी ही आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए समर स्कूल की रूपरेखा तैयार की गई है। इस कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को लाइव प्रोजेक्ट्स, इंडस्ट्री इंटरैक्शन, कॉर्पोरेट मेंटरशिप, कैंपस इमर्शन और विभिन्न कौशल विकास गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इससे विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य परिवेश को समझने, अपनी प्रतिभा को निखारने तथा भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. वर्तिका चतुर्वेदी ने बताया कि समर स्कूल के माध्यम से विद्यार्थियों को आईटी, लॉ, मैनेजमेंट और जनसंचार जैसे क्षेत्रों के विशेषज्ञों से सीधे सीखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आईटी मॉड्यूल में छात्रों को जनरेटिव एआई, एथिकल हैकिंग, रोबोटिक्स एवं आईओटी तथा वेब डेवलपमेंट जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं लॉ सत्र में डिजिटल सुरक्षा एवं अधिकार, पेटेंट फाइलिंग तथा कानूनी जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मैनेजमेंट मॉड्यूल के अंतर्गत विद्यार्थियों को स्टार्टअप आइडिया डेवलपमेंट, पर्सनल ब्रांडिंग एवं डिजिटल मार्केटिंग, वित्तीय साक्षरता तथा डिज़ाइन थिंकिंग जैसे विषयों की जानकारी दी जाएगी, जिससे उनमें उद्यमिता और नेतृत्व क्षमता का विकास हो सके। इसके अलावा जनसंचार एवं पत्रकारिता में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को कैमरा संचालन, मोबाइल फोटोग्राफी, फोटोग्राफी टूल्स, फोटो एडिटिंग, लाइटिंग तकनीकों तथा फील्ड प्रोजेक्ट्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शहडोल में मां ने तीन बेटियों को पिलाया जहर, दूसरी घटना में कुएं में डूबे चाचा-भतीजे, 6 मौतों से दहला इलाका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल/ब्यौहारी। जिले के पर्पौंध थाना क्षेत्र में शनिवार को हुई दो अलग-अलग दर्दनाक घटनाओं ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। एक ओर मां समेत तीन मासूम बेटियों की कीटनाशक सेवन से मौत हो गई, वहीं दूसरी घटना में कुएं में गिरने से चार वर्षीय चाचा-भतीजे की जान चली गई। इन हादसों में कुल छह लोगों की मौत से क्षेत्र में मातम पसरा है। जहर से 4 मौतें, कुएं में डूबे 2 मासूम; छह मौतों से शोक में डूबा क्षेत्र। शहडोल के अंतिम छोर पर स्थित पर्पौंध थाना क्षेत्र में शनिवार को कुछ ही घंटों के भीतर हुई दो अलग-अलग दर्दनाक घटनाओं ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। पहली घटना में एक महिला और उसकी तीन मासूम बेटियों की कीटनाशक सेवन से मौत हो गई, जबकि दूसरी घटना में खेलते समय कुएं में गिरने से चार वर्षीय चाचा-भतीजे की जान चली गई। दोनों घटनाओं में कुल छह लोगों की मौत होने से क्षेत्र में शोक का माहौल है। संदिग्ध हालात में जहर खाने से किशोरी की मौत, युवक की हालत में सुधार- लगी। इसी दौरान एक बच्ची घर से बाहर निकलकर पड़ोसियों तक पहुंची और बताया कि कर रही है। दूसरी घटनाः खेलते-खेलते कुएं में गिरे चाचा-भतीजे- इसी थाना क्षेत्र के बरा बघेलहा

मां, लौटते वक्त समोसा लेते आना'; बाजार से दवा लेकर लौटी महिला तो फंदे से लटकी मिली 11 साल की मासूम कुएं ने निगल लीं तीन मासूम जिंदगियां, सहेली को बचाने के लिए लगा दी छलांग; गांव में पसरा मातम मां ने तीन बेटियों को कीटनाशक पिलाया, फिर खुद भी खाया पुलिस के अनुसार, हिरवार गांव निवासी अनिता सिंह (32) अपनी तीन बेटियों रितिका सिंह (7), कृष्णकुमारी सिंह (4) और अर्पिता सिंह (2) के साथ घर में रहती थी। उसका पति वाहन चालक है और रोजगार के सिलसिले में दूसरे जिले में गया हुआ था। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम अनिता ने पहले अपनी तीनों बेटियों को कृषि कार्य में उपयोग होने वाली कीटनाशक दवा पिलाई और बाद में स्वयं भी उसका सेवन कर लिया। घटना के कुछ देर बाद सभी की हालत बिगड़ने उसकी मां ने उसे और उसकी बहनों को कीटनाशक पिलाया है तथा स्वयं भी खा लिया है। सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने पुलिस को खबर दी। अस्पताल पहुंचने से पहले ही बुझ गई चार जिंदगियां-पुलिस मौके पर पहुंची और चारों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद सभी को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में शोक की लहर फैल गई। परिजन और ग्रामीण भी इस घटना से स्तब्ध हैं। कारण अब भी रहस्य, पुलिस कर रही जांच-पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि महिला के मायके पक्ष और पड़ोसियों के बयान दर्ज किए जाएंगे। प्रारंभिक जांच में आत्मघाती कदम के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच गांव में एक और दुखद हादसा सामने आया। पुलिस के अनुसार चार वर्षीय किशन कोल और उसका चार वर्षीय भतीजा सत्यम कोल घर के पास स्थित कुएं के आसपास खेल रहे थे। इसी दौरान दोनों अचानक कुएं में गिर गए। ग्रामीणों ने निकाला, लेकिन नहीं बच सकी जान-घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा दोनों बच्चों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। पर्पौंध थाना क्षेत्र में एक ही दिन में हुई इन दो दर्दनाक घटनाओं ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। चार मासूम बच्चियों और बच्चों समेत कुल छह लोगों की मौत से हिरवार और बरा बघेलहा गांवों में मातम पसरा हुआ है। पुलिस दोनों मामलों की अलग-अलग जांच कर रही है।

सपा नोएडा महानगर ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती धूमधाम से मनाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर द्वारा सेक्टर-53 स्थित महानगर कैंप कार्यालय, कंचनजंगा मार्केट में भारतीय इतिहास की महान शासिका एवं लोकमाता राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने की तथा संचालन महानगर महासचिव विकास यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास की ऐसी आदर्श शासिका थीं जिन्होंने अपने न्यायप्रिय शासन, जनकल्याणकारी कार्यों एवं धार्मिक-सामाजिक योगदान से देश को नई दिशा दी। उनका जीवन महिला सशक्तिकरण, सेवा और सुशासन का अनुपम उदाहरण है। पूर्व प्रत्याशी एवं प्रदेश सचिव सुनील चौधरी ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया। उनके द्वारा बनवाए गए मंदिर, घाट और धर्मशालाएं आज भी उनकी दूरदर्शिता और लोककल्याणकारी सोच की मिसाल हैं। पूर्व महानगर अध्यक्ष सूबे यादव एवं वरिष्ठ नेता भीष्म यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का प्रतीक है। वर्तमान पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। महानगर महासचिव विकास यादव व मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने अपने कार्यों से यह सिद्ध किया कि सच्चा नेतृत्व जनता की सेवा और कल्याण में निहित होता है। उनका जीवन आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। आज के कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में- विकास यादव, सुनील चौधरी, भीष्म यादव, सुबे यादव, गौरव कुमार यादव ,पिंटू यादव, वीरपाल प्रधान, उदयवीर प्रधान, वीरपाल अवाना, सतवीर यादव ,राम सहेली, बली शर्मा, रेणुका मेथी, निर अवाना, नकुल चौहान, हरपाल सिंह ,महेश जाटव, मंजीत यादव ,अमित कुमार ,रंजन कुमार, वीर बहादुर ,कृपा शंकर यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मेधा का महापर्व मुख्यमंत्री ने बढ़ाया विद्यार्थियों का उत्साह, सम्मान समारोह में गूंजा शिक्षा, संस्कार और सफलता का संदेश

मेधा का महापर्व मुख्यमंत्री ने बढ़ाया विद्यार्थियों का उत्साह, सम्मान समारोह में गूंजा सफलता का मंत्र,प्रतिभा का सम्मान, उज्ज्वल भविष्य का आह्वान मेधावी विद्यार्थियों को मिला प्रेरणा का संबल, मेहनत को मिला सम्मान, सपनों को मिली उड़ानरू मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ अभिनंदन,मेधावियों के सम्मान से गौरवान्वित हुआ जनपद, मुख्यमंत्री के संदेश ने भरा नया उत्साह,ज्ञान, प्रतिभा और परिश्रम का उत्सव मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में उमड़ा उत्साह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा

आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष-2026 के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण आज कलेक्ट्रेट सभागार में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण के बीच देखा व सुना गया। प्रदेश स्तर पर लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए उन्हें प्रदेश और देश के उज्ज्वल भविष्य का आधार बताया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, मेधावी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने मुख्यमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण देखा। समारोह के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और गर्व का भाव दिखाई दिया। मुख्यमंत्री ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि सफलता का मूल मंत्र कठिन परिश्रम, अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच है। उन्होंने कहा कि आज सम्मानित हो रहे छात्र-छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है तथा उनकी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान, संस्कार और नवाचार को अपनाते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता के पीछे उनके मार्गदर्शन, त्याग और समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। माननीय प्रभारी मंत्री, स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क पंजीयन विभाग श्री रविन्द्र जायसवाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि सफलता का मार्ग चुनौतियों से भरा होता है, लेकिन जो विद्यार्थी कठिनाइयों का सामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ते हैं, वही इतिहास रचते हैं। उन्होंने कहा कि आज सम्मानित हो रहे विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और लगन से यह सिद्ध कर दिया है कि लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर प्रयास से कोई भी सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संदेश दिया। माननीय राज्य मंत्री समाज कल्याण श्री संजीव गौड़ जी ने अपने संबोधन में कहा कि मेधावी छात्र-छात्राएं राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी प्रतिभा और ज्ञान का उपयोग समाज के उत्थान तथा राष्ट्र के विकास के लिए करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह शक्ति है जो व्यक्ति को नई दिशा और नई पहचान प्रदान करती है। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी अथक मेहनत, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जिले के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से न केवल अपने परिवार का बल्कि पूरे जनपद का गौरव बढ़ाया है। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित करने और निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सफलता की यह उपलब्धि आने वाले समय में और बड़ी उपलब्धियों की आधारशिला बनेगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने मुख्यमंत्री सहित सभी वक्ताओं के प्रेरणादायी विचारों को ध्यानपूर्वक सुना। पूरे समारोह में शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और उत्कृष्टता का संदेश प्रमुख रूप से परिलक्षित हुआ। सम्मान समारोह ने विद्यार्थियों के मनोबल को नई ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर घोरावल विधायक डॉ. अनिल कुमार मौर्य, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री जीत सिंह खरवार, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नंदलाल गुप्ता, सदर विधायक के प्रतिनिधि श्री विकास मिश्रा अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, मेधावी विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

पात्रों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता-प्रभारी मंत्री रविन्द्र जायसवाल

विकास योजनाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश,शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए बीटीसी प्रशिक्षुओं की सेवाएं लेने के निर्देश, वृक्षारोपण अभियान को जनभागीदारी से सफल बनाने पर बल, शिकायतों की जांच कर दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश सरकार के स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग

के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रविन्द्र जायसवाल ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं, विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की कमी का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्राम सचिवालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर वॉल पेंटिंग के माध्यम से प्रदर्शित की जाए, ताकि आमजन को योजनाओं की सही जानकारी मिल सके और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो। बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों में शिक्षकों की कमी का विस्तृत विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए शैक्षणिक सत्र के प्रारम्भ होने पर बीटीसी प्रशिक्षण आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सभी पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना के लाभ से वंचित न रहने दिया जाए। कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने पुलिस अधीक्षक को कहा कि अनुसूचित जनजाति वर्ग की युवतियों से विवाह कर भूमि हड़पने संबंधी प्राप्त शिकायतों की गंभीरता से जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि प्रभारी मंत्री द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का समयबद्ध एवं प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। बैठक में विधायक घोरावल डॉ. अनिल कुमार मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नंदलाल गुप्ता, अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष श्री जीत सिंह खरवार, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) श्री वागीश कुमार शुक्ला, जिला विकास अधिकारी श्री हेमंत कुमार सिंह सहित जनपद स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

माध्यमिक शिक्षा विभाग की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान, मंत्री मनोज पाण्डेय ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

छात्र/छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और लगन के बल पर न केवल अपना नाम रोशन किया, बल्कि अपने माता-पिता, विद्यालय, शिक्षकों तथा पूरे जनपद का गौरव भी है बढ़ाया - डॉ0 मनोज कुमार पाण्डेय,सरकार का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना - मा0 मंत्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। माध्यमिक शिक्षा विभाग की परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं का सम्मान समारोह का आयोजन लोक भवन सभागार लखनऊ में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रतिभाग कर उच्च अंक प्राप्त करने वाले 1,682 छात्र/छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में जनपद में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मा0 मंत्री खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग उ0प्र0 सरकार डॉ0 मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह उपस्थित रहें। कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व उनके उद्बोधन को सुना गया। इसके पश्चात माध्यमिक शिक्षा विभाग की परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने वाले हाईस्कूल वे 07 एवं इण्टरमीडिएट के 14 छात्र/छात्राओं को मेडल, प्रशस्ति पत्र व रुपये 21 हजार का डमी चेक देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त जनपद के प्रदेश में 6वॉ स्थान प्राप्त करने वाली हाईस्कूल की तनु जायसवाल (96.83 प्रति0), प्रदेश में 08वॉ स्थान प्राप्त करने वाले सर्वेश कुमार मिश्रा (96.50 प्रति0) एवं अभिषी साहू (96.50 प्रति0) राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम में मा0 मंत्री जी द्वारा हाईस्कूल के मेधावी छात्र/छात्राएं दृष्टि गुप्ता (95.50 प्रति0), सोनाली सिंह (95.50 प्रति0), अंशी (95.33 प्रति0), आंचल शुक्ला (95.17 प्रति0), मुस्कान सिंह (95.17 प्रति0), रिया पटेल (95.00 प्रति0), प्राची वैश्य (95.00 प्रति0) को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार इण्टरमीडिएट मेधावी छात्र/छात्राएं नन्दनी गुप्ता (93.80 प्रति0), जया शुक्ला (93.40 प्रति0), वैष्णवी

(92.60 प्रति0), अभिषेक अवस्थी (92.40 प्रति0), दिव्यांशी मौर्या (92.40 प्रति0), शुभ सिंह (92.00 प्रति0), अद्वैत अवस्थी (92.00 प्रति0), उम्मे हबीबा (91.80 प्रति0), आर्या पटेल (91.80 प्रति0), तृप्ति शुक्ला (91.20 प्रति0), अभिनव (91.20 प्रति0), खिलय पाण्डेय (91.20 प्रति0), अर्पित मौर्य (91.20 प्रति0), निधि श्रीवास्तव (91.20 प्रति0) को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने अपने संबोधन में कहा कि आज जिन मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जा रहा है, उन्होंने अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और लगन के बल पर न केवल अपना नाम रोशन किया है, बल्कि अपने माता-पिता, विद्यालय, शिक्षकों तथा पूरे जनपद का गौरव भी बढ़ाया है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मा0 मंत्री ने कहा कि शिक्षा प्रदान करता है। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में हुए सकारात्मक परिवर्तनों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व की तुलना में आज विद्यालयों में संसाधनों की स्थिति काफी बेहतर हुई है। पहले जहां विद्यालयों में आवश्यक संसाधनों का अभाव देखने को मिलता था, वहीं वर्तमान समय में विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए स्मार्ट क्लास, डिजिटल शिक्षण सामग्री एवं अन्य आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, जिनका लाभ उठाकर छात्र-छात्राएं बेहतर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और उत्कृष्ट परिणाम अर्जित कर रहे हैं। मा0 मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी प्रतिभा का पूर्ण विकास कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा के किसी भी व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होती है और परिश्रम सफलता की वास्तविक कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहें। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम ही व्यक्ति को उसके निर्धारित मुकाम तक पहुंचाता है तथा जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने की शक्ति बधाई देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और समर्पण के कारण विद्यार्थी निरंतर सफलता प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनके अथक परिश्रम, आत्मविश्वास और निरंतर अध्ययन का परिणाम है। उन्होंने सम्मानित छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में असीम संभावनाएं होती हैं और यदि वह लक्ष्य निर्धारित कर समर्पण के साथ प्रयास करे तो कोई भी उपलब्धि असंभव नहीं है। धन्यवाद ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी उबैदुरहमान सहित माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारी/कर्मचारी व छात्र/छात्राएं उनके अभिभावकगण उपस्थित रहे।

अफसरों पर भड़के सांसद संजय सिंह,पूछा- पेपर लीक पर बात करना गुनाह है? अफसरों ने बिजली कटवाई

प्रयागराज। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह सोमवार को एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा और डीसीपी मनीष कुमार शांडिल्य पर भड़क उठे। संजय सिंह सर्किट हाउस में पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं को लेकर छात्रों के साथ संवाद कर रहे थे। एडीएम और डीसीपी पुलिस फोर्स के साथ कार्यक्रम रुकवाने पहुंच गए। एडीएम सत्यम मिश्रा ने संजय सिंह से किनारे चलकर बात करने को कहा। इस बात पर संजय सिंह नाराज हो गए। उन्होंने अधिकारियों को खूब खरी-खोटी सुनाई। संजय सिंह ने कहा-'क्या मैं कानून व्यवस्था भंग कर रहा हूं, जो आप मुझे रोकने आए हैं। क्या पेपर लीक पर चर्चा करना गुनाह है? आपको सर्किट हाउस के अंदर आने का अधिकार ही नहीं है। अगर मैं सार्वजनिक स्थान या सड़क पर कोई कार्यक्रम करता तो आप एक बार रोक सकते थे। सांसद के अधिकारों का हनन करना चाहते हैं। इसकी शिकायत मैं प्रिविलेज कमेटी से करूंगा।' संजय सिंह अपनी कुर्सी से नहीं उठे। आखिरकार अफसर सर्किट हाउस के दूसरे कमरे में जाकर बैठ गए। संजय सिंह ने परीक्षा पर चर्चा जारी रखी। लेकिन जैसे ही वे मीडिया से बात करने के लिए बाहर निकले, हॉल की बिजली काट दी गई। पुलिस ने संयुक्त प्रतियोगी छात्र हुंकार मंच के संयोजक पंकज पांडेय और आशुतोष पांडेय को हिरासत में लिया है। आशुतोष पांडेय आप सांसद संजय सिंह के साथ कार्यक्रम में थे। जबकि पंकज को कर्नलगंज क्षेत्र के जहाज चौराहे के पास से पकड़ा गया है। दोनों छात्र 29 मई को हुए प्रदर्शन में भी शामिल थे। 29 मई को प्रयागराज में करीब 2 हजार छात्रों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया था। इसके बाद प्रशासन ने प्रदर्शन में शामिल रहीं तीन कोचिंग संस्थानों को सील कर दिया है।

फिर एक युवती टॉवर पर चढ़ी, भीड़ जमा, पुलिस युवती के घरवालों को लेकर पहुंची

प्रयागराज। मऊआइमा इलाके में एक मोबइल टावर पर युवती के

चढ़ जाने से हंगामा मच गया है। युवती टावर पर धीरे धीरे ऊपर चढ़ती जा रही है। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ पहुंच रही है। सूचना पर पुलिस भी पहुंची है। युवती शिवा गांव की बताई जा रही है। वह किन कारणों से टावर पर चढ़ी अभी साफ नहीं हो सका है। पुलिस टीम युवती के घरवालों को लेने पहुंची है ताकि उनकी मदद से उसे नीचे उतरवाया जा सके। प्रयागराज में एक महीने में कई युवक युवती टावर पर चढ़ हंगामा कर चुके हैं। प्रयागराज के मऊआइमा थाना क्षेत्र के जाजापुर के रहने वाले राकेश कुमार की बेटी 20 साल की सपना करीब 3.30 बजे दौड़ते हुए घर से दौड़ते हुए निकली और टॉवर पर चढ़ गई। यह टावर घर से करीब एक किलोमीटर दूर है। लड़की अपने हाथ मोबाइल लिए है और लगातार किसी से बात कर रही है। प्रथमिक पूछताछ में प्रेमी से झगड़े की बात सामने आई है।

योग दिवस को दिव्य-भव्य बनाने की तैयारी, प्रदेश प्रभारी करेंगे शिरकत, पतंजलि योग परिवार की बैठक में कार्यकारिणी गठित, सुनील चौबे बने अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। 21 जून को

विश्व योग दिवस को दिव्य व भव्य रूप से मनाने के लिए रविवार को पतंजलि योग परिवार सोनभद्र की सामूहिक बैठक मारवाड़ी योग कक्षा, बड़ौदा बैंक के पास आयोजित की गई। बैठक प्रातः 5 बजे से शुरू हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख संरक्षक रमेश राम पाठक ने की। संरक्षक विनोद कुमार मिश्रा, संयोजक दिनेश लाल श्रीवास्तव के मार्गदर्शन व प्रमुख योग शिक्षक सुनील कुमार श्रीवास्तव व ओम प्रकाश यादव के सानिध्य में हुई बैठक में सभी मार्गदर्शक, संरक्षक, पदाधिकारी, योग शिक्षक व योग साधक उपस्थित रहे। योग दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से सुनील कुमार चौबे को अध्यक्ष, दिलीप कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष तथा एसपी मेहता को महामंत्री का दायित्व सौंपा गया। बताया गया कि योग दिवस की तैयारियों का जायजा लेने प्रदेश प्रभारी भी सोनभद्र आएंगे। बैठक में जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति रवि प्रकाश त्रिपाठी, चंद्र बहादुर सिंह, किसान सेवा समिति जिला संगठन मंत्री मोहर देव पांडेय, प्रमुख योग शिक्षक गोपाल दास केसरी, नागेंद्र नाथ चौबे, राम सेवक पांडेय, लक्ष्मी नारायण पांडेय, रूप नारायण सिंह, देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव, सतनाम जायसवाल, पुरुषोत्तम प्रजापति, कमलेश कुमार मौर्य, डॉ. मनोज चौधरी, उमेश तिवारी, प्रेम प्रकाश शुक्ला, संजय कुमार, रामबाबू समेत बड़ी संख्या में योग साधक मौजूद रहे। दयानंद मौर्य ने योग गीत प्रस्तुत किया। मारवाड़ी धर्मशाला के योग साधकों की ओर से सभी को सत्तू वितरित किया गया। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ।

सपा कार्यालय में मनाई गई महारानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती

जिलाध्यक्ष बोले- नारी सशक्तिकरण की प्रतीक थीं अहिल्याबाई, अखिलेश यादव लड़ रहे महिलाओं की लड़ाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर रविवार को भारत की महान वीरांगना महारानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती मनाई गई। कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव ने की और संचालन जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि भगवान शिव की अनन्य भक्त, प्रेम, समर्पण और करुणा की मूर्ति रानी अहिल्याबाई होलकर कुशल शासिका व नारी सशक्तिकरण की प्रतीक थीं। वे सुशासन के साथ-साथ शैक्षिक और सांस्कृतिक विकास के लिए प्रसिद्ध थीं। उन्होंने कई मंदिरों, घाटों, पाठशालाओं और धर्मशालाओं का निर्माण कराया और भारतीय वास्तुकला के

विकास में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने गरीब महिलाओं को शिक्षा से जागरूक किया और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा दी। हमें भी अपने हक की लड़ाई के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज देश के ऐसे महान नेता हैं जो महिलाओं की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ रहे हैं। महिलाओं व गरीब वर्ग का भरोसा सपा पर है, जो हर वर्ग को साथ लेकर चलती है। गोष्ठी में पूर्व जिलाध्यक्ष संजय यादव, अनिल प्रधान, अशोक पटेल, डॉ. केडी सिंह पटेल, अभय कामरान खान, सरदार पारब्रह्म सिंह, राजेश शुक्ला, राजनाथ, प्रमोद चंद्र भूषण, कामता, दीपक केसरी, अवनीश पांडे, मिथिलेश सिंह बंटी, विवेक समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनपद में विशेष नाला सफाई एवं स्वच्छता अभियान प्रारंभ, जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर निकायों में एक सप्ताह तक चलेगा विशेष अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी के निर्देश से समीक्षा एवं निगरानी श्री बगीश कुमार शुक्ला अपर जिलाधिकारी

के क्रम में जनपद की नगर पालिका परिषद एवं समस्त नगर पंचायत क्षेत्रों में आज विशेष नाला सफाई एवं स्वच्छता अभियान प्रारंभ किया गया। यह अभियान आगामी एक सप्ताह तक निरंतर संचालित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य वर्षा ऋतु से पूर्व जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा नगर क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाना है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई निगरानी-अभियान के प्रथम दिवस पर नाला सफाई कार्यों की ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम ने।की इस दौरान संबंधित अधिशासी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए तथा उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि नालों से निकाले गए कचरे का समयबद्ध निस्तारण कराया जाए तथा स्वच्छता मानकों का पूर्ण अनुपालन हो। लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई: जिलाधिकारी- जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने सभी अधिशासी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि नाला सफाई एवं स्वच्छता कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी नगर निकाय अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता पर संचालित करें। यदि किसी स्तर पर उदासीनता या लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से भी स्वच्छता अभियान में सहयोग करने तथा अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की है।

पीएम राहत योजना सड़क दुर्घटना के घायलों के लिए बनी जीवनदायिनी, गोल्डन आवर में 1.5 लाख रुपये तक निःशुल्क उपचार की सुविधा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) क्षेत्राधिकारी यातायात सोनभद्र एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल पहुंचकर घायल का जाना हाल, आमजन से योजना का लाभ उठाने की अपील। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री राहत (पीएम राहत) योजना जनपद सोनभद्र में प्रभावी रूप से क्रियान्वित की जा रही है। योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को 'गोल्डन आवर' के दौरान अधिकतम रु1.5 लाख तक का कैशलेस एवं निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में घोरावल थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में घायल 16 वर्षीय अनिल कुमार पुत्र बेचू निवासी ग्राम धनावल का उपचार पंचशील मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में पीएम राहत योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। दुर्घटना के उपरांत ग्राम प्रधान अरविंद निषाद द्वारा मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे उसे समय पर चिकित्सीय सहायता प्राप्त हो सकी। घायल अनिल कुमार का कुशलक्षेम जानने हेतु यातायात क्षेत्राधिकारी डॉ. चारू द्विवेदी, पीएम राहत योजना की नोडल अधिकारी डॉ. सुमन जायसवाल, पंचशील मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के डायरेक्टर पवित मौर्या, मां कुसुम फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार, सचिव कृष्ण कुमार यादव एवं कोषाध्यक्ष विनय कुमार यादव द्वारा अस्पताल पहुंचकर मुलाकात की गई तथा उसके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई।इस अवसर पर यातायात क्षेत्राधिकारी डॉ. चारू द्विवेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री राहत योजना सड़क दुर्घटना के घायलों को त्वरित एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने आमजन से अपील की कि सड़क दुर्घटना की स्थिति में घायलों को तत्काल निकटतम सूचीबद्ध अस्पताल पहुंचाएं, ताकि गोल्डन आवर के दौरान उपचार का लाभ मिल सके। पीएम राहत योजना की नोडल अधिकारी डॉ. सुमन जायसवाल ने बताया कि योजना के तहत सड़क दुर्घटना की तिथि से सात दिनों तक अधिकतम रु1.5 लाख तक का निःशुल्क एवं कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाता है। गंभीर रूप से घायल मरीजों को प्राथमिक स्थिरीकरण उपचार की सुविधा भी प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि जनपद के चिन्हित अस्पतालों को इस योजना से जोड़ा जा रहा है तथा आपातकालीन सहायता हेतु ईआरएसएस-112 के माध्यम से एंबुलेंस एवं त्वरित सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है। अधिकारियों ने बताया कि यह योजना राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों एवं शहरी क्षेत्रों में होने वाली सभी सड़क दुर्घटनाओं पर लागू है।

मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतक के परिजनों को मिली आर्थिक सहायता, प्रभारी मंत्री ने सौंपा 05 लाख रुपये का चेक

पीड़ित परिवार से मिलकर जताई संवेदना, दोषियों पर सख्त कार्रवाई का दिया भरोसा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के प्रभारी मंत्री

एवं उत्तर प्रदेश सरकार के स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रविन्द्र जायसवाल ने सोमवार को विकास खण्ड नगवां के ग्राम पंचायत पडरी पहुंचकर मृतक राजेश जायसवाल के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से स्वीकृत 05 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। प्रभारी मंत्री श्री रविन्द्र जायसवाल ने परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी के निर्देश के क्रम में वे स्वयं पीड़ित परिवार से मिलने और शासन की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यहां आए हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ पूरी संवेदनशीलता और मजबूती के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि घटना में जो भी व्यक्ति संलिप्त पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मामले की जांच पुलिस विभाग द्वारा गंभीरता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ की जा रही है तथा किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा ने प्रभारी मंत्री को प्रकरण से संबंधित अद्यतन जानकारी से अवगत कराया। साथ ही परिजनों को प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सहायता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री नन्दलाल गुप्ता, जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारीगण एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अवैध अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला की मृत्यु के प्रकरण में 10,000 रुपये की इनामिया स्टाफ नर्स गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री अमित कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोन पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। ज्ञातव्य है कि कस्बा कोन में अवैध रूप से संचालित ग्लोबल हॉस्पिटल में प्रसव पीड़ा के दौरान कथित फर्जी चिकित्सकीय उपचार एवं ऑपरेशन के दौरान आशा बहू सीमा देवी की मृत्यु हो जाने के संबंध में थाना कोन पर कई धाराओं समेत बीएनएस एवं 34 एनएमसी एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान प्रकाश में आए तथ्यों के आधार पर उक्त प्रकरण में वांछित एवं रु10,000 की पुरस्कार घोषित अभियुक्ता सलमा पत्नी आसिफ मोहम्मद निवासी देवाटन, थाना कोन, जनपद सोनभद्र तथा उसकी सहयोगी दाई जौरुन बीबी पत्नी करीमन निवासी सिसरी बनखेता, थाना खरौंधी, जनपद गढ़वा (झारखंड) को थाना कोन पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
NAINI ALLAHABAD
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

इबोला वायरस बना ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी,भारत भी अलर्ट पर, क्या आपको भी खतरा है, डॉक्टर से जानें हर सवाल का जवाब

नयी दिल्ली। 'वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन' (डब्लूएचओ) ने इबोला वायरस को 'ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी' घोषित किया है। इसके बाद भारत सरकार ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। कांगो, युगांडा और सूडान की यात्रा करने वालों को खासतौर पर सावधानी बरतने को कहा गया है। भारत सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें सभी इंटरनेशनल एंट्री पॉइंट्स, बॉर्डर इलाकों और एयरपोर्ट्स पर निगरानी बढ़ाने को कहा गया है। साथ ही इबोला प्रभावित देशों की गैरजरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी गई है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' कॉलम में आज हम इबोला वायरस की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- इबोला वायरस कितना खतरनाक है? इसका संक्रमण कैसे फैलता है? इससे बचाव के क्या उपाय हैं? विषय पर प्रकाश डालेंगे डॉ. अरविंद अग्रवाल डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब में माध्यम से।

सवाल- डब्लूएचओ ने इबोला को 'ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी' क्यों घोषित किया है? जवाब- पूरी दुनिया में इबोला वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 900 हो गई है। इसके कारण कांगो में पिछले 20 दिनों में 200 लोगों की मौत हो चुकी है। इबोला वायरस का 'बुंडीबुग्यो' वेरिएंट तेजी से फैल रहा है। इसलिए डब्लूएचओ ने इसे ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है।

सवाल- किन देशों में इबोला के मामले सबसे ज्यादा हैं? जवाब- अभी तक 10 अफ्रीकी देशों में इबोला के केस दर्ज किए गए हैं। इनमें शामिल हैं- रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो अंगोला, बुरांडी, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, इथोपिया, केन्या, रवांडा, साउथ सूडान, तंजानिया, जांबिया, सवाल- भारत सरकार ने क्या एडवाइजरी जारी की है? जवाब- इबोला वायरस के संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी में 4 मुख्य बातें कही गई हैं- कांगो, युगांडा और साउथ सूडान की गैरजरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि इन क्षेत्रों में इबोला संक्रमण का रिस्क है। एयरपोर्ट समेत अन्य एंट्री पॉइंट्स पर निगरानी बढ़ाने और प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। अज्ञात बुखार वाले यात्रियों की पहचान, जांच, रिपोर्टिंग और उचित मैनेजमेंट सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। डब्लूएचओ की सिफारिशों के अनुसार सावधानी

बरतने और प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा कम करने की सलाह दी गई है। सवाल- क्या भारत में अभी तक इबोला का कोई केस मिला है? जवाब- नहीं, भारत में अभी तक इबोला वायरस का कोई मामला नहीं दर्ज हुआ है।

सवाल- भारत का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर इबोला से निपटने के लिए कितना तैयार है? जवाब- सरकार ने इस पर कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि, भारत का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विलांस, जांच और संक्रमण नियंत्रण के लिए काफी हद तक तैयार है। अगर भारत में इबोला वायरस केस मिलते हैं तो कोविड से मिली लर्निंग्स काम आएंगी।

सवाल- इबोला वायरस क्या है? यह कितना खतरनाक है? जवाब- इबोला एक गंभीर और बेहद संक्रामक वायरल 'हेमरेजिक फीवर' है। यह इबोला वायरस के संक्रमण से होता है। यह इंसानों और कुछ जंगली जानवरों (जैसे चमगादड़ और प्राइमेट्स) को प्रभावित करता है। यह कितना खतरनाक है? इबोला के मामलों में मृत्यु दर बहुत ज्यादा होती है। इसलिए इसे दुनिया की सबसे घातक संक्रामक बीमारियों में गिना जाता है।

सवाल- इबोला वायरस का संक्रमण कैसे फैलता है? जवाब- इन माध्यमों से संक्रमण फैलता है- संक्रमित व्यक्ति के ब्लड, लार, सलाइवा पसीने, उल्टी, यूरिन, मल या अन्य बॉडी फ्लूइड के सीधे संपर्क से। संक्रमित व्यक्ति के कपड़े, बिस्तर, सुई, मेडिकल इक्विपमेंट्स या अन्य दूषित वस्तुओं को छूने से। संक्रमित जंगली जानवर, विशेषकर फल खाने वाले चमगादड़ों, बंदरों और अन्य प्राइमेट्स के संपर्क में आने से। संक्रमित मरीज की देखभाल या अंतिम संस्कार के दौरान बिना सुरक्षा उपायों के संपर्क में आने से। सवाल- क्या इबोला हवा से फैल सकता है? जवाब- आमतौर पर इबोला हवा के जरिए नहीं फैलता है। यह संक्रमित व्यक्ति के बॉडी फ्लूइड के सीधे संपर्क से फैलता है। सवाल- इबोला के शुरुआती लक्षण क्या हैं? किन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए? जवाब- इबोला के शुरुआती लक्षण सामान्य वायरल बुखार जैसे होते हैं। इसलिए शुरुआती पहचान बेहद जरूरी है। मौजूदा वक्त में फैल रहे इबोला के 'बुंडीबुग्यो' वेरिएंट के लिए अभी कोई अप्रूव्ड वैक्सीन या खास इलाज उपलब्ध नहीं है।

सवाल- क्या इबोला जानलेवा होता है? जवाब- हां, इबोला एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है।

सवाल- इबोला की मृत्यु दर कितनी है? जवाब- इबोला आउटब्रेक में मृत्यु दर लगभग 25फीसदी से 90फीसदी तक दर्ज की गई है।

सवाल- क्या इबोला वायरस के लिए वैक्सीन उपलब्ध है? जवाब- इबोला वायरस के लिए पहले कई वैक्सीन बन चुकी हैं, लेकिन बुंडीबुग्यो वेरिएंट (जो अभी फैल रहा है) के लिए कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है।

सवाल- विदेश यात्रा के दौरान किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- अगर किसी क्षेत्र में इबोला का आउटब्रेक चल रहा हो और आपको विदेश यात्रा करनी हो, तो ये सावधानियां बरतनी चाहिए- सवाल- इबोला से बचाने में सैनिटाइजेशन और मास्क कितना प्रभावी है? जवाब- हाथों की नियमित सफाई से इन्फेक्शन का रिस्क कम होता है। सैनिटाइजर वायरस लगे हाथों को साफ करने में मददगार है। मास्क संक्रमित व्यक्ति के फ्लूइड से संपर्क का रिस्क घटाता है। अकेले मास्क पर्याप्त नहीं, अन्य सावधानियां भी जरूरी हैं। स्वास्थ्यकर्मियों के लिए पीपीई किट सबसे प्रभावी सुरक्षा है।

सवाल- अगर कोई व्यक्ति या उसका परिचित हाल ही में युगांडा, कांगो, सूडान या इबोला प्रभावित देश में गया है तो उसे क्या करना चाहिए? जवाब- 21 दिनों तक हेल्थ ऑब्जर्वेशन करें।

बुखार, कमजोरी, उल्टी या दस्त पर तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करें। यात्रा की डिटेल्स स्वास्थ्यकर्मी को बताएं। लक्षण दिखने पर दूसरों से दूरी रखें। स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का पालन करें।

'हमारे पहलवान सही पर तकनीकी रूप से पीछे', भारत के कुश्ती कोच बोले- मुझे 40 मेहनती चाहिए, जो देश के लिए कुछ करें

लखनऊ। 'हमारे खिलाड़ी शारीरिक रूप से बहुत मजबूत हैं, लेकिन वे तकनीकी रूप से पिछड़ जाते हैं। अमन जैसे बेहतरीन पहलवान भी जब मैच हारते हैं, तो वह विरोधी के बेहतर होने से नहीं, बल्कि अपनी तकनीकी गलतियों की कमी के कारण हारते हैं। मैं 4 कनेक्टिंग फ्लाइट बदलकर यहां आया। थक गया हूं। ऐसे ही खिलाड़ी भी थक जाते हैं।' यह कहना है भारतीय पुरुष की फ्रीस्टाइल कुश्ती टीम के मुख्य कोच एमजारियोस बेंटिनिडिस (शाको) का। मुख्य कोच बनने के बाद शाको भारत लौटते तो 31 मई, रविवार को लखनऊ में चल रहे एशियन गेम्स के ट्रायल में पहुंचे। 'यहां की यात्रा व्यवस्था पर कुश्ती संघ से बात करूंगा' शाको ने लखनऊ में कैंप होने और यहां की यात्रा व्यवस्था पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा- मैं इस बारे में भारतीय कुश्ती संघ (डब्लूएफआई) से बात करूंगा। मैं खुद जॉर्जिया से 17 घंटे की फ्लाइट और 4 कनेक्टिंग फ्लाइट्स बदलकर आया हूं। थक चुका हूं। एक पहलवान की भी ऊर्जा ऐसे यात्रा में खपेगी तो वह कैसे जीतेगा? इतनी लंबी और थकाऊ यात्रा करके प्रतियोगिता में जाएगा, तो वह जीतने की ऊर्जा कहां से लाएगा? दिल्ली से फ्लाइट्स कनेक्ट करना ज्यादा आसान है। 'देश के लिए जान लगाने वाले 40 एथलीट चाहिए'-शाको ने कहा- मेरे लिए अनुशासन से बढ़कर कुछ नहीं है। मुझे कैंप में 300 ऐसे एथलीट नहीं चाहिए जो गंभीर न हों। मुझे सिर्फ 40 ऐसे मेहनती पहलवान चाहिए जो देश के लिए कुछ करना चाहते हों। कुछ खिलाड़ी दूसरों को भी भटकाते हैं, वह सब अब मेरे रहते नहीं चलेगा। पहलवान खुद की गलतियों से हारते हैं, प्रतिभा की कमी नहीं है। 'ट्रेनिंग प्रोग्राम में बदलाव जरूरी'- हर वजन श्रेणी (जैसे 50 किलो या 55 किलो) के खिलाड़ी के लिए एक ही ट्रेनिंग प्रोग्राम नहीं हो सकता। हर खिलाड़ी की मानसिक और शारीरिक जरूरत के हिसाब से अलग ट्रेनिंग होगी। 74 किलो, 97 किलो और 125 किलो जैसी भारी वजन श्रेणियों में भारत के खराब प्रदर्शन पर कहा कि भूल जाइए कि हम भारी वजन में कमजोर हैं।जब आप रोज-रोज कहेंगे कि हमें समस्या है, तो खिलाड़ी के दिमाग में डर बैठ जाता है। हम समस्या पर नहीं, सिर्फ जीतने और समाधान पर बात करेंगे। 'सुजीत के खेल में शानदार संतुलन'- शाको ने ओलंपिक पर कहा कि सुशील-

बजरंग के बाद अब सुजीत कलकल की बारी है, लेकिन ओलंपिक अलग दुनिया है। 65 किलोग्राम वर्ग में देश के उभरते सितारे सुजीत की तारीफ करते हुए कहा कि सुजीत अद्भुत खिलाड़ी हैं। सुजीत में ताकत, तकनीक और डिफेंस का शानदार मिश्रण है। सुशील कुमार अपने समय के सर्वश्रेष्ठ पहलवान थे, वे दिल से बाघ थे। उनके बाद बजरंग आए और अब सुजीत हैं। सुजीत अंडर-23 विश्व चैंपियन हैं, लेकिन ओलंपिक एक मनोवैज्ञानिक लड़ाई है। दुनिया में 6-6 बार के विश्व चैंपियन भी ओलंपिक में एक छोटी सी गलती वजन न घटाने के कारण पदक से चूक जाते हैं। इसलिए सुजीत को कदम-कदम पर मेरी गाइडेंस की जरूरत होगी। बजरंग पुनिया के साथ उनके सफर के अंत पर कोच शाको भावुक दिखे। उन्होंने कहा दुनिया का कोई ऐसा कोच या पहलवान यहां तक कि अब्दुलराशिद सादुलेव भी नहीं थे, जो 4 साल में कभी न हारा हो। कजाकिस्तान में बजरंग के साथ रेफरी ने बेइमानी की। ओलंपिक से ठीक पहले उन्हें बहुत गंभीर चोट लगी थी। बावजूद इसके हमें जो कांस्य पदक मिला, वह भगवान का भेजा हुआ आशीर्वाद था। इतिहास सिर्फ ओलंपिक पदक से बनता है और बजरंग ने वह बनाया।

'विनेश फोगाट से मैच का पता चलते ही प्रैक्टिस बढ़ाई', पहले ही सोच लिया था, गेम तभी जीतूंगी, जब गलतियां कम करूंगी-रेसलर मीनाक्षी

सोनीपत। 'जब मुझे पता चला कि मेरा विनेश फोगाट के साथ मैच होगा तो मैंने अपनी प्रैक्टिस बढ़ा दी। मेरे दिमाग में सिर्फ यही था कि विनेश सीनियर खिलाड़ी हैं और उनका एक्सपीरियंस भी ज्यादा है। गेम तभी जीत पाऊंगी, जब गलतियां कम करूंगी।' एशियन गेम्स-2026 के ट्रायल्स के सेमीफाइनल में रेसलर विनेश को हराने वाली मीनाक्षी गोयत मूल रूप से जींद की रहने वाली हैं। फिलहाल कई सालों से वह अपने परिवार के साथ सोनीपत में रह रही हैं। मीनाक्षी का कहना है कि मैंने अपनी पूरी ताकत लगाकर विनेश के सामने मैच जीता। फाइनल में हार पर मीनाक्षी ने कहा कि रेफरी ने अंतिम पंघाल को गलत पॉइंट दिए। हमने वीडियो यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग को भेजा है। जल्द ही पता चल जाएगा कि मेरा ऑब्जेक्शन सही था या गलत। रिपोर्टरः कुश्ती में आने की प्रेरणा कहां से मिली? मीनाक्षीः मेरे पिता कोई पहलवान नहीं हैं। मैं डब्लूडब्लूई फाइट देखती थी। जॉन सीना की फैन होने की वजह से कुश्ती में दिलचस्पी बढ़ी। स्कूल टाइम में ही मैं कुश्ती के मैदान में उतर गई थी। मेरे पिता साधारण किसान हैं और करीब दो एकड़ जमीन है। उन्हें रेसलिंग के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन जब मैंने कुश्ती खेलने की बात कही तो उन्होंने बेटे की तरह मुझे निडानी गांव के स्पोर्ट्स स्कूल में भेजना शुरू कर दिया। वहीं हॉस्टल में रहना शुरू किया था, हालांकि ज्यादातर समय अप-डाउन भी करती थी। सवाल- कुश्ती को लेकर परिवार और गांववालों ने क्या कहा?मीनाक्षीः पहले कुछ लोग पिता से यह कहते थे कि लड़कियों पर इतना पैसा क्यों खर्च कर रहे हो, पैसा खर्च करना है तो लड़के को आगे बढ़ाओ। मेरे पिता ने मुझे छोटी उम्र में ही कुश्ती के मैदान में भेजना शुरू कर दिया था। उस समय मुझे सामाजिक तानों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन जैसे-जैसे बड़ी हुई तो लोगों की बातें सुनती थी। मेरे पिता को ताने दिए जाते थे कि लड़कियों को इतना बाहर क्यों भेजते हो। मैं कुलदीप मलिक एकेडमी में रोज सुबह और शाम अलग-अलग समय पर करीब तीन-तीन घंटे प्रैक्टिस करती हूं। मैं वेजीटेरियन हूं और घर का खाना ही खाती हूं। बाहर के खाने से खाकर ही पहलवानी करती हूं। प्रोटीन और अन्य जरूरतों के लिए कुछ सप्लीमेंट भी लेने पड़ते हैं। मैंने कभी नॉनवेज नहीं खाया।

सवाल- एशियन गेम्स ट्रायल को लेकर कैसे तैयारी की? मीनाक्षीः मैं पहले से ही प्रैक्टिस कर रही थी, लेकिन मुझे यह मालूम नहीं था कि विनेश फोगाट मेरे वेट वर्ग में रहेंगी। जब पता चला कि ट्रायल में मेरा मुकाबला विनेश के साथ होगा तो मैंने खुद को पहले की तुलना में और ज्यादा तैयार किया। कुश्ती में हार-जीत नहीं देखनी, बस कुश्ती को बहुत अच्छे ढंग से लड़ना है। आखिरी क्षण तक फोकस रखना है, क्योंकि विनेश एक सीनियर खिलाड़ी हैं और उनका एक्सपीरियंस भी बहुत ज्यादा है। उनके सामने टिकने के लिए पहले से दिमाग में बात थी कि गलतियां कम से कम करनी हैं। सवाल- विनेश के साथ मुकाबले को लेकर दिमाग में कोई स्ट्रेस था? मीनाक्षीः ऐसा नहीं है कि मुझे स्ट्रेस था, लेकिन हां, थोड़ी बहुत घबराहट जरूर थी। इस मुकाबले को लेकर मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड थी। कोई भी पहलवान जब मैदान में होता है तो हर कोई जीत के लिए आता है। गलती तो शायद विनेश ने भी नहीं की थी। वह भी अपनी पूरी ताकत के साथ लड़ रही थी। रिपोर्टरः एशियन गेम्स के लिए किस प्रकार की तैयारी रही? मीनाक्षीः अलग-अलग चैंपियनशिप और गेम्स के लिए मैं लगातार तैयारी करती रहती हूं। एशियन गेम्स के लिए कई साल से तैयारी चल रही है। ऐसे में कुछ अलग तरीके से भी कमियों में सुधार करते हुए तैयारी करनी पड़ती है। अपनी जीत कैसे लेकर आनी है, इसी को लेकर मैट और ग्राउंड दोनों पर तैयारी चल रही थी। सवालः- ट्रायल के फाइनल में हार को कैसे देखती हैं? मीनाक्षीः फाइनल मुकाबला अंतिम पंघाल से हुआ था। हमने इसकी वीडियो यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग को भेजी है। वीडियो की समीक्षा के बाद यदि उन्हें लगेगा कि मैं जीत रही थी, तो फैसला मेरे पक्ष में आ सकता है। कई बार जब दोनों खिलाड़ी बराबरी के स्तर के होते हैं, तो मुकाबला पैसिविटी या एक-दो पॉइंट के अंतर से तय होता है। ऐसे में रेफरी और जज के फैसले का परिणाम पर बड़ा असर पड़ता है। कई बार गलत पॉइंट भी दे दिए जाते हैं। मीनाक्षी गोयत के कोच अजय मलिक ने बताया कि मीनाक्षी ने अपनी तैयारी के अनुसार ट्रायल में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। वह सुबह-शाम तीन से चार घंटे प्रैक्टिस करती थी। उसने एशियन गेम्स के लिए कड़ी मेहनत की थी, लेकिन अंतिम पंघाल के सामने उसे हरवाया गया। हमने यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग को इस बारे में लिखकर भेजा है और वहां से जवाब आने के बाद ही आगे का पता चल पाएगा।

देश में युवाओं का बढ़ता आक्रोश हमें कुछ बताता है

आज सब तरफ कॉकरोच शब्द की चर्चा है। किन्तु इसके हमारे राजनीतिक शब्दकोश का हिस्सा बनने से बहुत पहले ही मैं इस शब्द का उपयोग करता आ रहा हूं। ईश्वर न करे, लेकिन

कल किसी परमाणु विस्फोट में दुनिया नष्ट हो जाए, तब भी केवल कॉकरोच ही जीवित बचेंगे। एक ग्रेट-सर्वाइवर से राजनीतिक प्रतिरोध के प्रतीक तक, कॉकरोचों ने एक लंबी यात्रा तय की है। कॉकरोच जनता पार्टी या सीजेपी का उदय उस व्यवस्था के प्रति बढ़ते जनाक्रोश को दर्शाता है, जो इतनी खण्डित हो चुकी है कि प्रदर्शनकारियों को लोकतंत्र पर मंडराते खतरों की ओर संकेत करने के लिए एक कीड़े की छवि का सहारा लेना पड़ा है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जिसमें नेतागण सम्राटों की तरह व्यवहार करने लगे हैं और विपक्ष कोई विश्वसनीय चुनौती पेश नहीं कर पा रहा है। इसी शून्य में कॉकरोच रेंगता हुआ प्रवेश करता है- एक ऐसा प्राणी, जिससे हमें घृणा करना और डरना सिखाया गया है, फिर भी जो हर तरह की विपत्ति के बीच जीवित रहने की क्षमता रखता है। यह तथ्य कि एक अपेक्षाकृत अनजान पोलिटिकल कम्युनिकेशन स्ट्रैटेजिस्ट द्वारा किसी अमेरिकी विश्वविद्यालय में बैठकर शुरू किया गया एक व्यंग्यात्मक आंदोलन अचानक सत्ता गलियारों में बेचैनी पैदा कर दे, अपने आप में बहुत कुछ बताता है। आखिर एक शक्तिशाली राष्ट्र को मुख्य न्यायाधीश की गैर-जरूरी टिप्पणी से उपजे ऑनलाइन-आंदोलन से चिंतित क्यों होना चाहिए? भारत के बेरोजगार युवाओं का मानो उपहास करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने अनजाने में एक तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दे दिया : क्रोध, अलगाव और व्यंग्य से संचालित एक डिजिटल विद्रोह। तब से लाखों युवा भारतीय इसके इर्द-गिर्द एकजुट हो चुके हैं। इस पूरी घटना को विशेष रूप से दिलचस्प बनाने वाली बात यह है कि सीजेपी वास्तव में कोई राजनीतिक दल नहीं है। उसका न कोई नेता है, न कार्यालय, न कार्यकर्ता-तंत्र, न कोई संगठनात्मक ढांचा। 1.5 अरब की आबादी और असाधारण विविधता वाले इस देश में केवल साइबर-स्पेस में मौजूद एक आंदोलन को सिद्धांततः यथास्थिति के लिए खतरा नहीं होना चाहिए। फिर भी खतरा क्यों महसूस किया जा रहा है? सीजेपी पर विदेशी फंडिंग से संचालित होने का आरोप लगाया जा रहा है। झूठा दावा किया जा रहा है कि उसके अनेक समर्थक पाकिस्तानी हैं। उसके सोशल मीडिया हैंडल्स को ब्लॉक किया जा रहा है। कुछ लोगों ने तो उसे आम आदमी पार्टी का प्रॉक्सी सिद्ध करने की भी कोशिश की। यह सब एक प्रकार की संशयग्रस्त मानसिकता को उजागर करता है। इस घबराहट के पीछे कई कारण हैं। अव्वल तो यही कि यह काफी हद तक नैरेटिव को कंट्रोल करने का दौर है। इस दौर का राजकाज चौबीसों घंटे चलने वाले किसी विज्ञापन-अभियान जैसा प्रतीत होता है : उपलब्धियों का प्रचार करो, विफलताओं को दबा दो, नारे बदलो और आगे बढ़ जाओ। करोड़ों नौकरियां जिनका वादा किया गया था नहीं मिलीं, किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, पेपर लीक लगातार जारी हैं- लेकिन नैरेटिव-प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि आम धारणा, प्रदर्शन पर भारी पड़े। ऐसे में यह चीज परेशान करने वाली लग सकती है कि इंटरनेट के ये कॉकरोच किसी लिखी हुई पटकथा का पालन करने से इंकार कर रहे हैं। दूसरे, युवाओं का आक्रोश चुनावी दृष्टि से महत्व रखता है। ऊंची जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों और उग्र राष्ट्रवाद के शोर के पीछे एक ऐसी पीढ़ी मौजूद है, जो गहरी असुरक्षा से जूझ रही है। लाखों शिक्षित युवा रोजगार के घटते अवसरों, परीक्षाओं के बढ़ते दबावों और ऐसी अर्थव्यवस्था का सामना कर रहे हैं, जहां स्थायी नौकरी पाना लगातार दूर की कौड़ी बनता जा रहा है। बहुतों के लिए यह निराशा अब चिरस्थायी हो चुकी है। उन्हें लगता है कि राजनेता उन्हें केवल चुनावों के समय ही देखते हैं और केवल तभी सुनते हैं, जब वे विरोध-प्रदर्शन करते हैं। यह आक्रोश केवल वैचारिक ही नहीं है, यह कई मायनों में व्यक्तिगत भी है।

यह हालिया चुनावों में भी स्पष्ट दिखाई दिया, विशेषकर तमिलनाडु में, जहां विजय की लोकप्रियता ने पारम्परिक राजनीति से तंग आ चुके युवा मतदाताओं को बड़े पैमाने पर आकर्षित किया। पूरे भारत में युवा मतदाता अब पुराने और जड़ राजनीतिक विचारों को लगातार अस्वीकार कर रहे हैं। वे ताजगी, प्रामाणिकता और भावनात्मक जुड़ाव की तलाश में हैं। मीम-संस्कृति उनके प्रतिरोध की भाषा बन चुकी है। और याद रहे कि व्यंग्य हमेशा राजनीतिक हथियार साबित होता है। अधिनायकवादी व्यवस्थाएं हास्य-व्यंग्य के सामने खुद को आश्चर्यजनक रूप से असुरक्षित ही पाती हैं। पूरे भारत में ही युवा मतदाता अब पुराने और जड़ राजनीतिक विचारों को लगातार अस्वीकार कर रहे हैं। वे ताजगी, प्रामाणिकता और भावनात्मक जुड़ाव की तलाश में हैं। मीम-संस्कृति उनके प्रतिरोध की भाषा बनती जा रही है। (ये लेखक वे अपने विचार हैं,राजदीप सरदेसाई)

क्या आप कामकाजी महिलाओं के दोहरे बोझ को कम करने के बारे में सोच रहे हैं?

शुक्रवार को अधिकांश अंतरराष्ट्रीय अखबारों के पहले पन्ने पर शीर्ष वरीयता प्राप्त जानिक सिनर की तस्वीर छपी थी, जिन्हें फ्रेंच ओपन जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। गर्मी और थकान उनकी सारी ऊर्जा चूस लेती है। यह ऐसा काम है, जिसमें कोई छुट्टी नहीं मिलती। उनका कहना था कि वे प्रतिदिन इस दबाव के नीचे निढाल हो जाती हैं और उनकी कमाएं भी और एक पारंपरिक गृहणी की तरह सेवा भी करें। जब ये कामकाजी महिलाएं रसोइयों, सफाईकर्मियों या आया जैसी घरेलू सहायिकाओं को नियुक्त करके अपनी समय पर्याप्त आराम या सहयोग के बिना दो फुल-टाइम भूमिकाओं में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की अपेक्षा की जाती है, तो उसका परिणाम मानसिक और भावनात्मक थकान के रूप में

लेकिन इसकी वजह यह नहीं थी कि उन्होंने पिछले दिन कोई मैच जीता था, बल्कि यह थी कि वे विश्व रैंकिंग में 56वें स्थान पर मौजूद हुआन मानुएल सीरुन्दोलो से हार गए थे। अधिकांश अखबारों ने उनकी हार का कारण यह बताया कि 'झुलसा देने वाली धूप ने फिलिप-शात्रिये कोर्ट को एक विशाल बैगेट ओवन में बदल दिया था और सिनर की हालत इतनी बिगड़ गई कि उन्हें पहचानना तक मुश्किल हो गया था।' मैच के बाद सिनर ने कहा, 'मुझे याद नहीं आखिरी बार मैं कब इतना कमजोर महसूस कर रहा था। मैं पूरी तरह थक चुका था- मेरा पूरा शरीर जवाब दे रहा था।' अधिकांश समाचार पत्रों और खेल पत्रकारों ने उनकी हार के लिए भीषण गर्मी को ही जिम्मेदार ठहराया। वास्तव में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी तीसरे सेट में जीत से केवल एक गेम दूर थे, और ठीक उसी समय गर्मी ने उनकी सारी ऊर्जा सोख ली। इसे पढ़ते ही मुझे कुछ विश्वविद्यालय प्राध्यापिकाओं और स्कूल शिक्षिकाओं की याद आ गई, जो बताती रहती हैं कि दिनभर का पेशेवर काम पूरा करने के बाद जब वे अपनी 'सेकंड शिफ्ट' करने घर लौटती हैं, तो थकान को समझने या बांटने वाला कोई नहीं होता। और वे बिल्कुल सही थीं। अनेक कंजर्वेटिव या पारंपरिक परिवार गर्व के साथ कामकाजी बहू को स्वीकार तो कर लेते हैं, परंतु इसका प्रमुख कारण अकसर उससे मिलने वाला आर्थिक लाभ या सामाजिक प्रतिष्ठा होता है। लेकिन यह स्वीकृति प्रायः शर्तों के साथ आती है। मूल धारणा यही बनी रहती है कि उसके जॉब को पारंपरिक घरेलू बुनावट या परिवार की सुविधाओं में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं डालना चाहिए। समाज और मीडिया द्वारा गढ़े गए सुपरवुमन के मिथक ने आदर्श भारतीय महिला का एक अवास्तविक मानक स्थापित कर दिया है, जो मानो बिना किसी कठिनाई के सब कुछ हासिल कर सकती है। यदि वे सहायता मांगें, घरेलू कामकाज को किसी और से साझा करने का प्रयास करें या अपनी थकान जाहिर करें, तो इसे अकसर उनकी नाकामी या परिवार के प्रति समर्पण की कमी के रूप में देखा जाता है। जिस प्रकार कोई विश्व नंबर एक खिलाड़ी भीषण गर्मी में हमेशा जीत नहीं सकता, उसी प्रकार इन युवा महिलाओं से यह अपेक्षा करना भी अवास्तविक है कि वे एक आधुनिक पेशेवर की तरह की कमी की समस्या का समाधान करने का प्रयास करती हैं, तो उन्हें अकसर प्रतिरोध या आलोचनात्मक निगरानी का सामना करना पड़ता है। परिवार के सदस्य बाहर के सहायकों द्वारा किए गए कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठा सकते हैं, उसमें अत्यधिक हस्तक्षेप कर सकते हैं, या फिर सूक्ष्म रूप से कामकाजी महिलाओं को यह संकेत देकर उनमें अपराध-बोध पैदा कर सकते हैं कि उनके कारण परिवार उपेक्षित हो रहा है या परायों के हाथ का खाना खा रहा है। दूसरी ओर- विशेषकर उभरते हुए शहरों की टाउनशिप में रहने वाले कुछ वरिष्ठ सदस्य- जो कठोर जेंडर भूमिकाओं वाले युग में बड़े हुए हैं, अकसर उन्हीं पैटर्न्स को आगे बढ़ाते हैं, जिन्हें उन्होंने स्वयं झेला था। यदि सास ने अपने समय में पूरा घर अकेले संभाला था, तो ऐसे परिवारों में नई बहुओं द्वारा काम के बंटवारे की मांग को कभी-कभी अधिकार-बोध या आलस्य के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा, परिवार की शक्ति-संरचनाएं भी किसी नई दुल्हन के लिए घरेलू कामकाज की जिम्मेदारियों को सम्भालना बहुत मुश्किल बना देती हैं। जब किसी व्यक्ति से सामने आता है। ऐसी महिलाएं एक निरंतर 'ऑलवेज़-ऑन' वाली अवस्था में जीती हैं, जहां उन्हें सही मायनों में आराम करने का बहुत कम अवसर मिलता है। उनका मन लगातार एक मानसिक चेकलिस्ट का प्रबंधन करता रहता है- ऑफिस की डेडलाइंस के साथ-साथ घर की जरूरतों- जैसे किराने का सामान, बच्चों की देखभाल और भोजन की योजना। धीरे-धीरे यह स्थिति एक टाइम-डिसीज़ का रूप ले लेती है, जो वस्तुतः इस मनोवैज्ञानिक अनुभूति को दर्शाती है कि समय कभी भी काफी नहीं होता।इसका परिणाम लगातार भाग-दौड़, अत्यधिक सतर्कता और अवकाश के क्षणों में भी आराम न कर पाने के रूप में सामने आता है। कामकाजी महिलाओं पर पड़ने वाले इस दोहरे बोझ को कम करने के लिए घरेलू स्तर पर तत्काल बदलाव, जीवनसाथी का सहयोग और परिवारों के कम्युनिकेट करने के तरीके में परिवर्तन- इन तीनों की आवश्यकता है। फंडा यह है कि जिस प्रकार खेल जगत अपने किसी चैंपियन के पीछे मजबूती से खड़ा होता है, उसी प्रकार हमें भी अपनी बहुओं के पीछे खड़ा होना चाहिए- क्योंकि वे भी हमारी बेटियां ही हैं। एन. रघुरामन

शिक्षित बेटी पूरी अगली पीढ़ी को शिक्षित और आर्थिक रूप से सुरक्षित करती है

लैपटॉप के सामने बैठी गृहिणी स्पष्टतः उत्साह से भरी आवाज में अपने पति को आवाज देती है, 'आशुतोष, हमारा पहला ऑर्डर।' पति स्क्रीन की ओर दौड़ते हैं, जैसे उन्हें सुनी हुई बात पर यकीन न हो। उनके नए चटनी के कारोबार को पहला ऑनलाइन ऑर्डर मिला है। यह दृश्य कल समाप्त हुए आईपीएल के दौरान दिखाए गए लोकप्रिय विज्ञापन 'रेड्डी वर्सेस रिटायरमेंट' का है, जिसमें एक रिटायर्ड कपल एआई की मदद से कारोबार शुरू करता है। यह तकनीक लेबल और पैकेजिंग डिजाइन से लेकर उत्पादों का प्रचार करने वाली वेबसाइट तक बना देती है। यह विज्ञापन मजबूत संदेश देता है कि कुछ नया शुरू करने और परिवार में आर्थिक योगदान देने के लिए कभी बहुत देर नहीं होती। लेकिन आठ साल पहले महाराष्ट्र के बारामती की 30 वर्षीय मनीषा कांबटे के पास लेबल डिजाइन करने और वेबसाइट बनाने का कोई एआई टूल नहीं था। फिर भी उन्होंने मसालों और अचार का ऐसा सफल कारोबार खड़ा किया, जिसने वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 1 करोड़ रुपए का कारोबार किया।किसान परिवार में जन्मी मनीषा ने कम उम्र में ही पिता को खो दिया था। इसके बावजूद उन्होंने अच्छे-से पढ़ाई की और दसवीं तक की शिक्षा पूरी की। लेकिन सामाजिक अपेक्षाओं ने उनके लिए दूसरा रास्ता तय कर रखा था। वे अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ातीं, इससे पहले ही उनकी शादी हो गई और वे अपने होमटाउन से 322 किलोमीटर दूर पुरंदर चली गईं।नया जीवन 17 सदस्यों वाले एक संयुक्त परिवार में शुरू हुआ, जहां सभी वित्तीय फैसले परिवार के सबसे बड़े सदस्य लेते थे। चाहे 100 रुपए हों या 1 रुपया, हर खर्च के लिए अनुमति जरूरी थी। परिवार के युवा सदस्यों को बहुत कम आर्थिक स्वतंत्रता थी। मनीषा को सबसे ज्यादा दुख तब होता, जब वे अपने स्कूल जाने वाले तीन बच्चों को चॉकलेट या स्नैक्स खरीदने के थोड़े-से पैसे भी नहीं दे पाती थीं। इन्हीं पलों ने उनके भीतर आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने का संकल्प मजबूत कर दिया। चूंकि उन्होंने खुद कई अवसर छूटते देखे थे, इसलिए वे चाहती थीं कि उनकी दो बेटियों और बेटे के पास जीवन में बेहतर विकल्प हों। अनेक ग्रामीण परिवारों की तरह उनका परिवार भी मानसून से पहले सालभर के मसाले तैयार करता था। मनीषा में मसाले मिलाने की स्वाभाविक प्रतिभा थी और उनके मसाले खास स्वाद के चलते लोकप्रिय होने लगे। शुरुआत में ग्रामीण महिलाएं उन्हें कच्चा माल देती थीं और वे मसाले पीसने व मिलाने के बदले प्रति किलोग्राम 30 रुपए कमाने लगीं। उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट तब आया, जब एक राष्ट्रीयकृत बैंक ने 35 महिलाओं के लिए मसाला उत्पादन प्रशिक्षण आयोजित किया। मनीषा ने इसमें हिस्सा लेकर बिजनेस की बुनियादी बातें सीखीं और गांव में अपने उत्पाद बेचने लगीं। उनका सफर आसान नहीं था। परिजन और पड़ोसी खेती और घरेलू जिम्मेदारियों के बजाय बिजनेस में समय देने के उनके फैसले पर सवाल उठाने लगे। कई लोगों ने उनके विफल होने की भविष्यवाणी तक कर दी। लेकिन उन्होंने बहस न करने का निर्णय किया। दिन में वे बहू की जिम्मेदारियां निभातीं और रात में अचार-मसाले बनाती थीं। उन्हें असली सफलता तब मिली, जब उन्होंने महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के उमेद अभियान के तहत एक महिला स्वयं सहायता समूह जॉइन किया। इस समूह के जरिए उन्होंने छोटा-सा ऋण लिया, उपकरण खरीदे और स्थानीय मेलों में उत्पाद बेचने लगीं। इसका उत्साहजनक रेस्पॉन्स मिला। मांग बढ़ी तो उन्होंने और ऋण लिए, कारोबार बढ़ाया और 20 महिलाओं को रोजगार दिया। आज उनका उद्यम हर आठ दिन में 2 टन अचार और 200 किलो मसाले बनाता है। बिजनेस पूर्णतः

पंजीकृत है, खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करता है और उनके पास सभी जरूरी प्रमाणपत्र हैं। हालांकि, सबसे संतोषजनक उपलब्धि कारोबार के आंकड़े नहीं हैं। उनकी दोनों बेटियां अब ग्रेजुएट हैं और बेटा 11वीं में पढ़ रहा है। वे खुद के लिए जो आर्थिक आजादी तलाश रही थीं, वही उनकी भावी पीढ़ी के लिए शिक्षा के अवसरों में बदल गई। फंडा यह है कि एक बेटी को शिक्षित कीजिए तो वह न सिर्फ खुद का जीवन स्तर ऊपर उठाती है, बल्कि पूरे परिवार के लिए अधिक शिक्षित, आत्मविश्वास से भरा और आर्थिक रूप से सुरक्षित भविष्य भी तैयार करती है। (एन. रघुरामन)

हमें क्या चाहिए- संस्कृति में बदलाव या सख्त कार्रवाई

1. 'मैं डॉक्टर बनना चाहता था। मैं हमेशा अच्छे नंबर लाने के लिए पढ़ाई करता था। लेकिन जापानियों ने मुझे बताया कि पढ़ाई क्यों जरूरी है। वहां शिक्षा का मूल सिद्धांत यह है कि तकनीक में प्रगति जिज्ञासा की वजह से हुई है।' 2. 'पूरा देश स्वच्छ है। हमें वहां प्लास्टिक का टुकड़ा भी नहीं दिखेगा। मैं उनकी दयालुता, सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना से बहुत प्रभावित हुआ।' 3. 'मैं जापानियों का सिविक सेंस देखकर हैरान रह गया। वहां लोगों के चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती है।' ये बातें किसी महान शख्सियत ने नहीं कहीं, बल्कि गुरुवार को ये प्रतिक्रियाएं कर्नाटक के उन तीन स्टूडेंट्स की थीं, जो 56 भारतीय छात्रों के समूह के साथ काशिवा स्थित शिबुरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गए थे। वहां उन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेताओं समेत प्रमुख वैज्ञानिकों की विशेष कक्षाओं में हिस्सा लिया। जापान की प्रमुख यूनिवर्सिटीज और रिसर्च संस्थानों का दौरा किया। जापानी हाईस्कूल छात्रों के साथ सामाजिक गतिविधियों में शामिल हुए और वहां की संस्कृति को महसूस किया। उसी गुरुवार को इस जगह से मीलों दूर कोलकाता में राज्य की नगरीय मामलों की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने घोषणा की कि 'अगले तीन महीने हम जागरूकता और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण अभियान चलाएंगे। लोगों से आग्रह करेंगे कि वे सड़कों पर कचरा न फेंकें। तीन माह बाद 1 सितंबर से कचरा फैलाने वालों पर जुर्माना लगाएंगे।'इन बच्चों के लिए सबसे बड़ा सबक था कि वहां के स्कूलों में सिविक रेस्पॉन्सिबिलिटी, नैतिकता, सहानुभूति और धैर्य सिखाने पर ज्यादा जोर देते हैं। यह उस अनुभव से बिल्कुल अलग था, जिसके ये स्टूडेंट आदी थे। भारतीय शिक्षा व्यवस्था में साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स, बोर्ड परीक्षाओं और कम उम्र से अंग्रेजी की दक्षता को अत्यधिक प्राथमिकता दी जाती है। भारत में सफलता को अकसर नंबर, रैंक और किताबी ज्ञान से मापते हैं। जबकि जापान में, खासकर शुरुआती और विशेष विकास के चरणों में, सफलता इससे मापी जाती है कि बच्चा अपनी रोजमर्रा की जिंदगी कितने अच्छे-से संभालता है, टीम को कितना सहयोग करता है और कितनी भावनात्मक मजबूती दिखाता है। अगर वहां के पाठ्यक्रम को करीब से देखें तो उसे जानबूझकर ऐसा बनाया गया है, ताकि स्वतंत्र और सिविक-माइंडेड वयस्क तैयार किए जा सकें। वहां कुकिंग और सिलाई भी सिखाई जाती है, जिसे 'कतैका' कहते हैं। यह कोई बेकार विषय नहीं, बल्कि 'होम इकॉनॉमिक्स' के तौर पर जापान में लड़के और लड़कियों दोनों के लिए अनिवार्य विषय है। स्टूडेंट्स इसे सिर्फ इसलिए नहीं सीखते कि बड़े होकर पैरेंट्स या घरेलू सहायकों पर निर्भर न रहें, बल्कि इसमें वे न्यूट्रिशनल बैलेंस, बजटिंग और कपड़ों की मरम्मत सीखते हैं। फिर आता है संगीत और खेल। वे इसे बौद्धिक विकास, भावनात्मक अभिव्यक्ति और सामूहिक सामंजस्य का जरूरी साधन मानते हैं। जापान में बचपन में भारी अकादमिक परीक्षाओं को जानबूझकर टाला जाता है। वहां मान्यता है कि स्कूल के शुरुआती सालों में बच्चों को परीक्षा के अंकों के आधार पर 'स्मार्ट' और 'स्लगलिंग' श्रेणियों में बांटने के बजाय उनमें चरित्र, व्यवहार और समाज के प्रति लगाव को विकसित करना चाहिए। जापानी शिक्षा मंत्रालय इन व्यवस्थाओं को स्पष्ट रूप से 'इकिरु चिकारा' नामक सिद्धांत के इर्द-गिर्द बुनता है, जिसका अर्थ है- 'जीने का उत्साह।' इसका उद्देश्य तीन मुख्य स्तंभों के बीच संतुलन बनाना है। 1. शैक्षणिक योग्यता, महज रटने के लिए नहीं बल्कि समस्या सुलझाने के लिए। 2. समृद्ध मानवीय गुण, यानी नैतिकता, सहानुभूति और नागरिक जिम्मेदारी। 3. स्वास्थ्य और शारीरिक मजबूती, जो दृढ़ता और आत्मअनुशासन लाती है। जापानी स्कूलों का मतलब अकादमिक पढ़ाई से कहीं ज्यादा है। वे चरित्र निर्माण के संपूर्ण तंत्र के जैसे काम करते हैं, जहां नैतिकता, नागरिक कर्तव्य और सख्त सामाजिक अनुशासन को रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल किया जाता है। किताबों से परे स्टूडेंट्स स्कूल चलाने में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं, कठोर क्लब गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। फंडा यह है कि यह लड़ाई नैतिकता और दबाव के बीच की है। अगर आप भावी पीढ़ी के लिए यह जंग जीतना चाहते हैं तो उन्हें स्कूली दिनों में ही सहानुभूति का पाठ पढ़ाना चुनिए, ताकि हमें कार्रवाई के लिए कानून बनाने को मजबूर न होना पड़े। एन. रघुरामन

सिर्फ भारत ने हमारे इलाके नहीं कब्जाए हमने भी भारतीय जमीन पर कब्जा किया- पीएम नेपाल बालेन

विपक्षी पार्टी बोली- बालेन सबूत दिखाएं

काठमांडू। उनके मुताबिक जवाब में बताया गया है कि भारत और नेपाल इतिहासकारों, सर्वे विशेषज्ञों और इलाके की चीन द्वारा लिपुलेख दर्रे के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने के फैसले पर बालेन शाह प्रशासन ने सख्त आपत्ति जताई। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोहराया कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा नेपाल का अभिन्न अंग हैं 2. भारतीय विदेश सचिव को मिलने का समय न देनाः मई 2026 में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री नेपाल के दौरे पर जाने वाले थे, ताकि वे प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से बालेन शाह को भारत आने का आधिकारिक न्योता दे सकें। लेकिन पीएम बालेन शाह ने भारतीय विदेश सचिव को मुलाकात का समय देने से इनकार कर दिया, जिसके कारण भारत को यह दौरा टालना पड़ा। 3. भारतीय राजदूत से अलग से शिष्टाचार मुलाकात न करनाः नेपाल में जब भी कोई नई सरकार बनती है, तो परंपरा के अनुसार वहां के नए पीएम भारतीय राजदूत से अलग से शिष्टाचार मुलाकात करते हैं। हालांकि, बालेन शाह ने भारतीय राजदूत से अलग मिलने के बजाय सभी विदेशी राजदूतों से एक साथ (सामूहिक रूप से) मुलाकात की। इससे नई दिल्ली को यह संदेश गया कि उनकी सरकार भारत को कोई विशेष या पारंपरिक तरजीह नहीं देना चाहती। 4. पहले वर्ष कोई विदेशी दौरा न करने की नीतिः नेपाल में आम तौर पर परंपरा रही है कि पद संभलाने के बाद प्रधानमंत्री भारत का दौरा करते हैं। लेकिन बालेन ने कार्यभार संभालते ही यह घोषणा कर दी कि वे अपने कार्यकाल के पहले वर्ष किसी भी देश के आधिकारिक दौरे पर नहीं जाएंगे। प्रधानमंत्री के बयान से विवाद छिड़ा-भारत में नेपाल के पूर्व राजदूत दीप कुमार उपाध्याय ने भी कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय जमीन पर अतिक्रमण का कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत ने भी कभी आधिकारिक रूप से ऐसा मुद्दा नहीं उठाया है। नेपाल के पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी शाह से माफी मांगने की मांग की है। सोशल मीडिया पर भी उनके बयान की आलोचना हो रही है। पीएम बालेन शाह का बयान नेपाल के भीतर ही बहस और विवाद का विषय बन गया है, जबकि भारत की ओर से अभी तक इस पर कोई नई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई दी- प्रधानमंत्री के बयान पर विवाद बढ़ने के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई दी है। मंत्रालय ने कहा कि उनकी टिप्पणी का संबंध भारत की जमीन पर नेपाल के कब्जे से नहीं, बल्कि सीमा के कुछ इलाकों में मौजूद 'क्रॉस बॉर्डर ऑक्युपेशन' और 'दसगजा' से था। दसगजा वह जमीन होती है जो भारत और नेपाल की सीमा के बीच छोड़ी जाती है। यह जमीन न भारत की मानी जाती है और न नेपाल की। इसका मकसद दोनों देशों के बीच साफ सीमा बनाए रखना होता है। आम तौर पर यह सीमा के दोनों तरफ कुछ मीटर चौड़ी पट्टी होती है। भारत-नेपाल सीमा पर सीमा स्तंभों (पिलरों) के दोनों ओर लगभग 10-10 गज की खाली पट्टी छोड़ी जाती थी। यह जमीन सीमा की पहचान और रखरखाव के लिए रखी गई थी। इसी कारण इस पट्टी को दसगजा कहा जाने लगा। समय के साथ दसगजा शब्द का इस्तेमाल सीमा के बीच की खाली पट्टी के लिए होने लगा, भले ही हर जगह इसकी वास्तविक चौड़ाई बिल्कुल 10 गज न हो। लेकिन कई जगहों पर लोगों ने इस खाली जमीन पर खेती शुरू कर दी, घर बना लिए या दूसरे काम करने लगे। इसे ही दसगजा पर अतिक्रमण कहा जाता है। क्रॉस बॉर्डर ऑक्युपेशन का मतलब है कि सीमा के पास रहने वाले कुछ लोगों की जमीन एक देश में है, लेकिन उसका उपयोग दूसरे देश के लोग कर रहे हैं।

जानकारी रखने वाले जानकार लोगों की टीमें बनाएंगे। ये टीमें बातचीत के जरिए सीमा विवाद का समाधान खोजने की कोशिश करेंगी। शाह ने कहा- 'हमने इस मुद्दे पर सिर्फ भारत और चीन से ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन सरकार से भी बात की है। हमारा मानना है कि ब्रिटेन को भी इसमें दिलचस्पी लेनी चाहिए, क्योंकि यह विवाद उस समय से जुड़ा है जब ब्रिटिश शासन इस इलाके को छोड़कर गया था।' लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी का मुद्दा नेपाल में लंबे समय से संवेदनशील माना जाता है। जून 2020 में नेपाल की संसद ने एक नया नक्शा मंजूर किया था, जिसमें इन इलाकों को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था।इस पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि नेपाल का दावा ऐतिहासिक तथ्यों और सबूतों पर आधारित नहीं है और यह स्वीकार्य नहीं है। पीएम ने पहली बार संसद को संबोधित कियानेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को नेपाल की संसद को संबोधित किया है। इस साल मार्च में हुए चुनावों के बाद सत्ता संभालने के बाद यह पहला मौका है, जब नेपाल के प्रधानमंत्री शाह ने संसद में अपनी बात रखी है। दरअसल, विपक्षी दलों के सांसद लगातार मांग कर रहे थे कि प्रधानमंत्री संसद में आकर देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रखें। इसके बाद बालेन शाह ने संसद को संबोधित किया और सांसदों के सवालों के जवाब दिए। नेपाल में मार्च 2026 में बालेन शाह के प्रधानमंत्री बनने के बाद से भारत और नेपाल के बीच पारंपरिक कूटनीतिक और रणनीतिक संबंधों में काफी बदलाव और असहजता देखी गई है। 4 घटनाएं जिसने भारत-नेपाल के रिश्ते पर असर डाला-1. लिपुलेख दर्रे से मानसरोवर यात्रा पर आपत्तिः भारत और

रूस बुढ़ापा रोकने की दवा की इजाद कर रहा,सूकर के अंदर इंसानी अंग उगाने पर काम जारी, रु2.47 लाख करोड़ का एंटी एजिंग प्रोजेक्ट

मॉस्को। इसमें शरीर को करीब माइनस 112 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में कुछ समय रखा जाता है। ऑस्ट्रिया के पूर्व चांसलर सेबास्टियन कुर्ज ने बताया था कि 2018 में क्रेमलिन की एक बैठक के दौरान पुतिन ने उन्हें इस थेरेपी के फायदे विस्तार से बताए थे। शी जिनपिंग के साथ '150 साल जीने' की चर्चा हुई थी-पिछले साल बीजिंग में एक सैन्य परेड के दौरान पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बातचीत खूब चर्चा में रही थी। दरअसल वे इंसानी अंग बदलकर जीवन बढ़ाने और इंसानों के 150 साल तक जीने की संभावना पर बात करते सुनाई दिए थे। यह बातचीत एक हॉट-माइक रिकॉर्डिंग में दर्ज हो गई थी। उस समय इसे दो उम्रदराज नेताओं की सामान्य बातचीत माना गया, लेकिन अब इसे रूस की लंबी उम्र वाली सरकारी योजना से जोड़कर देखा जा रहा है। 73 साल के पुतिन खुद को फिट नेता के रूप में पेश करते हैं-73 साल के पुतिन लंबे समय से खुद को ताकतवर और फिट नेता के रूप में पेश करते रहे हैं। घुड़सवारी, आइस हॉकी, शिकार और मोटरसाइकिल चलाते हुए उनकी तस्वीरें अक्सर सामने आती रही हैं। पुतिन के कई करीबी सहयोगी भी अब 70 साल से ज्यादा उम्र के हो चुके हैं। ऐसे में यह एंटी-एजिंग मिशन सिर्फ वैज्ञानिक प्रयोग नहीं, बल्कि रूस की सत्ता के टॉप लीडरशिप की निजी चिंताओं से भी जुड़ा माना जा रहा है। रूस में पुरुषों की औसत उम्र सिर्फ 68 साल है, जो अमेरिका (76 साल) और यूरोप (80 साल) की तुलना में बहुत कम है। पुतिन की बेटी भी इस प्रोजेक्ट से जुड़ी-पुतिन के इस ड्रीम प्रोजेक्ट को उनकी डॉक्टर बेटी मारिया वोरोत्सोवा और उनके सबसे करीबी वैज्ञानिक मिखाइल कोवलचुक संभाल रहे हैं। मारिया वोरोन्त्सोवा एंडोक्रिनोलॉजिस्ट (हार्मोन और डायबिटीज की विशेष डॉक्टर) हैं और रूस के कई सरकारी जेनेटिक्स प्रोग्राम्स से जुड़ी हैं। दूसरे बड़े चेहरे मिखाइल कोवालचुक हैं, जो सोवियत दौर के कुर्चातोव इंस्टीट्यूट के चीफ हैं। उन्हें इस एंटी-एजिंग मिशन का मुख्य वैचारिक चेहरा माना जाता है। कोवालचुक कई बार कह चुके हैं कि विज्ञान जल्द इंसानों को शरीर के अंग लगातार बदलने और रिपेयर करने की क्षमता देगा। वैज्ञानिकों ने उठाए सवाल-रूस की इस परियोजना पर कई सवाल भी उठ रहे हैं। बायोप्रिंटिंग रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिक अलेक्जेंडर ओस्त्रोव्स्की का कहना है कि अगर रिसर्च के नतीजे बड़े इंटरनेशनल जर्नल्स में प्रकाशित नहीं हो रहे, तो इन दावों पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल है।

ओस्त्रोव्स्की ने कहा कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से रूसी वैज्ञानिक दुनिया से काफी हद तक कट गए हैं। दुनिया से अलग रहकर साइंस में आगे बढ़ना आसान नहीं है, हो सकता है कि फंडिंग पाने के लिए पुतिन को वही बातें बताई जा रही हों, जो वह सुनना चाहते हैं। वहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस की एंटी-एजिंग रिसर्च पश्चिमी देशों की तुलना में कम जांची-परखी स्टडीज पर आधारित है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिक रूस में काफी ताकतवर और प्रभावशाली माने जाते हैं।

दवा की तरह खा सकेंगे माइक्रोचिप-सेंसर, अल्सर-कैंसर का शुरुआती चरण में ही पता चलेगा, हर 20 सेकेंड में मिलेंगे पेट में बदलाव के अपडेट

एम्स्टर्डम। अगर आपको पेट की किसी गंभीर बीमारी की जांच करानी हो और डॉक्टर आपसे कहे- लंच या डिनर के साथ एंडोस्कोपी और कोलोनोस्कोपी दर्दनाक, असुविधाजनक व महंगे होते हैं, जिससे कई मरीज बीमारी छिपा लेते हैं। दो दशक छलांग ऐसे कैप्सूल्स हैं जो बीमारी का पता लगाकर उसी हिस्से पर दवा रिलीज करेंगे। एमआईटी शोधकर्ता इसके लिए माइक्रोचिप और सेंसर निगल जाइए... चौंक गए ना! बेल्जियम और नीदरलैंड्स के वैज्ञानिकों ने इस हैरान करने वाली कल्पना को हकीकत में बदल दिया है। उन्होंने ऐसा वायरलेस ट्रांसमीटर, माइक्रोचिप और केमिकल सेंसर तैयार किया है, जिसे न सिर्फ पेट के भीतर निगलना सुरक्षित है, बल्कि यह बेहद फायदेमंद भी है। मेडिकल साइंस के इस नए अजूबे को जीआईएसएमओ (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्मार्ट मॉड्यूल) नाम दिया गया है। माउथ फ्रेशनर टेबलेट आकार का यह अनूठा कैप्सूल इंसानी पेट के भीतर जासूस की तरह सफर करता है। यह पेट के एसिडिक माहौल में हर 20 सेकेंड में एक केमिकल रीडिंग लेता है और लाइव नतीजे मरीज की बेल्ट पर बंधे रिसीवर को भेजता रहता है। हमारा पेट खरबों सूक्ष्मजीवों का घर है, जिसकी जांच डॉक्टरों के लिए हमेशा चुनौती रही है। पहले आई पिलकैम ने पेट की तस्वीरें दिखाकर विजुअल समस्या हल की, पर एसिडिटी व केमिकल रिएक्शन जैसे असली संकेत पकड़ने में असमर्थ रही। इसी कमी को गिस्मो पूरा करता है। यह पेट के 'रेडॉक्स बैलेंस' को मापता है, जिससे अल्सर या कैंसर जैसी बीमारियां शुरुआती चरण में पता लग सकती हैं। इस तकनीक से जांच आसान, सुरक्षित व ज्यादा सटीक बनती है। मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने ऐसा कैप्सूल बनाया है जो पेट में हाइड्रोजन सल्फाइड गैस का रियल-टाइम पता लगाता है, जो अल्सर और गैस्ट्रिक कैंसर से जुड़ी होती है। वहीं सदर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी ने न्यूरल-नेटवर्क एल्गोरिदम वाली गोली विकसित की है, जो पेट में ऑक्सीजन व अमोनिया जैसी गैसों का नक्शा स्मार्टफोन पर भेजती है। अगली क्रांतिकारी सेफलोपॉड जैसी तकनीक से पेट की दीवारों में सीधे दवा इंजेक्ट करने वाली डिवाइस बना रहे हैं। पहली रिचार्जेबल खाने योग्य बैटरी इटली में तैयार- इस प्रोसेस में बड़ी चुनौती पावर की थी। मौजूदा कैप्सूल्स में सिल्वर ऑक्साइड की पारंपरिक बैटरियां इस्तेमाल होती हैं, जो जांच के बाद शरीर से इलेक्ट्रॉनिक कचरा बनकर बाहर निकलती हैं। इससे निपटने के लिए इटली के वैज्ञानिकों ने 'एडिबल इलेक्ट्रॉनिक्स' प्रोजेक्ट के तहत विटामिन-बी2, कंटीली झाड़ियों के फल (केपर्स) से मिलने वाले क्वेरसेटिन, एक्टिवेटेड चारकोल, समुद्री घास व मधुमक्खी के मोम को मिलाकर दुनिया की पहली रिचार्जेबल खाने योग्य बैटरी तैयार की है। साथ ही, टूथपेस्ट में मिलने वाले नीले पिगमेंट से एडिबल 'ट्रांजिस्टर' भी बनाया गया है।

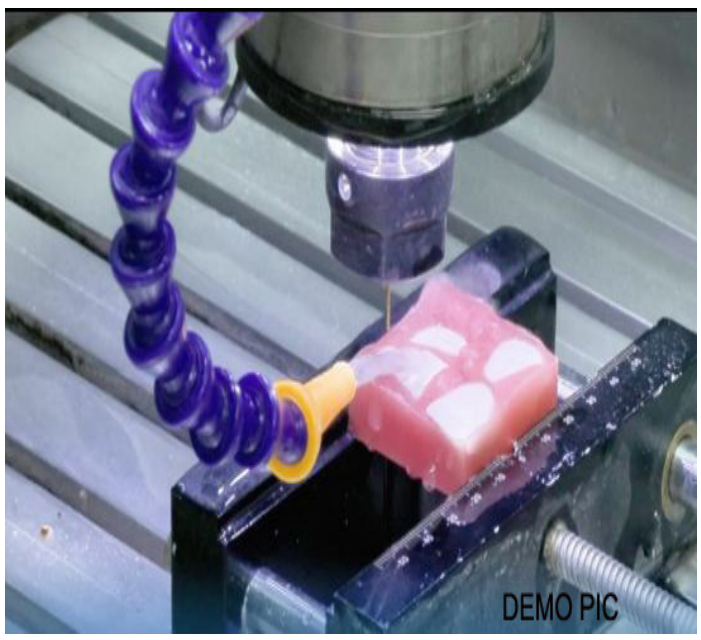

अमेरिका ने ईरान की रडार-ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर हमला किया, ईरान ने जवाबी हमले में एयरबेस को निशाना बनाया

तेहरान। अमेरिका ने कहा कि हमने ईरान के गोरुक और केश्म द्वीप पर रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स को निशाना बनाया। यह हमला आत्मरक्षा में किया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) ने बताया है कि यह कार्रवाई ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई। अमेरिका ने आरोप लगाया कि ईरान ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन को गिराया था। सीईएनटीसीओएम के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो ड्रोन को नष्ट किया। अमेरिका का दावा है कि ये ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री रास्तों से गुजर रहे जहाजों के लिए सीधा खतरा बन रहे थे। दूसरी तरफ, ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि हमने उस एयरबेस को निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल सीरिक द्वीप के पास अमेरिकी ऑपरेशन में हुआ था। आईआरजीसी का कहना है कि ये हमला सीरिक द्वीप पर टेलीकॉम टावर पर हुए अमेरिकी हमले के जवाब में किया गया। हालांकि, ईरान ने उस एयरबेस की लोकेशन नहीं बताई। वहीं, 'ईरान इंटरनेशनल' की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पजशकियान ने आरोप लगाया कि देश की सत्ता पर अब पूरी तरह आईआरजीसी के कमांडरों का कंट्रोल में है। हालांकि, प्रेसिडेंट कार्यालय के संचार और सूचना प्रसार विभाग के डिप्टी चीफ सैयद मेहदी तबातबाई ने इस दावे को अफवाह बताते हुए खारिज कर दिया। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-ब्यूफोर्ट किले पर इजराइल का कब्जाः इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 900 साल पुराने ब्यूफोर्ट किले और आसपास की पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया। यह पिछले 26 साल में इजराइल की लेबनान में सबसे बड़ी घुसपैठ है। इमरजेंसी मीटिंग बुलाने की मांगः फ्रांस ने लेबनान में इजराइल की बढ़ती सैन्य कार्रवाई को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने की मांग की है।ट्रम्प बोले- ईरानी सेना के खिलाफ सख्त एक्शन नहींः ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ने ईरानी सेना पर उतनी सख्त कार्रवाई नहीं की, जितनी वह दूसरे देशों की सेनाओं के खिलाफ करता रहा है। ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहींः ईरान ने कहा है कि जब तक यह भरोसा नहीं हो जाता कि उसके अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हैं, तब तक अमेरिका के साथ किसी भी समझौते को मंजूरी नहीं दी जाएगी। अमेरिका ने ईरान जा रहे जहाज को रोकाः अमेरिका ने ईरान की ओर जा रहे एक और मालवाहक जहाज को रोक दिया। 17 अप्रैल से अब तक अमेरिका 6 जहाजों को ईरान जाने से रोक चुका है।

राहुल गांधी ने सीबीएसई छात्रों से बात की,स्टूडेंट्स ने कहा- हमें आतंकवादी-पाकिस्तानी बुलाया गया, राहुल बोले- सवाल पूछने पर जवाबों की जगह अपमान मिला

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई 12वीं क्लास के छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर छात्रों से बातचीत का 1.30 मिनट का वीडियो पोस्ट किया। कैप्शन में लिखा- जिन साहसी युवाओं ने सीबीएसई और मोदी सरकार से आसान सवाल पूछे, उन्हें जवाब की जगह अपमान मिला। वीडियो में छात्रों ने राहुल से कहा- आंसर शीट को लेकर सवाल पूछने पर हमें एंटी-नेशनल, डीप स्टेट एजेंट्स (जासूस), आतंकवादी और पाकिस्तानी कहा गया। राहुल ने हंसते हए कहा- 17 साल के डीप स्टेट एजेंट्स। राहुल से जिन छात्रों से बात की, उनमें वेदांत भी शामिल थे। वेदांत की एक पोस्ट वायरल हुई थी, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि री-इवैल्यूएशन के दौरान पोर्टल पर उनकी फिजिक्स कॉपी की जगह किसी और की कॉपी अपलोड की गई थी। वेदांत के बाद कई अन्य छात्रों ने भी ऐसी शिकायतें कीं।अब पढ़िए, राहुल और छात्रों के बीच क्या बातचीत हुई- वेदांत- मेरा एग्जाम बहुत अच्छा गया था लेकिन मेरे नंबर अच्छे नहीं आए। उसके बाद हमारे पास ऑप्शन था कि अगर नंबर कम आते हैं तो अपनी आंसर शीट की फोटोकॉपी के लिए अप्लाई करते हैं। जब मैंने फिजिक्स के आंसर शीट की फोटोकॉपी देखी तो पहले पेज पर मेरी हैंडराइटिंग थी। दूसरे पन्नों पर किसी और की हैंडराइटिंग थी। इसके बाद मैंने देखा कि ये मेरे शीट नहीं है, तो मैं अपनी दिक्कत एक्स पर लेकर आया। वहां मुझे लोगों को सपोर्ट मिला क्योंकि ये तो एकदम हटके मामला है। दूसरा छात्र- लेकिन जब इस पर लोगों का आक्रोश बढ़ने लगा तो हमें शांत कराने के लिए, उन्हें लगा कि हम कोई डीप स्टेट एजेंट्स हैं जो भारत में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल (हंसते हुए) - 17 साल के डीप स्टेट एजेंट्स, भैया दिखाओ इन टेररिस्ट के चेहरे दिखाओ जरा। राहुल गांधी ने छात्रों से बातचीत का वीडियो पोस्ट करने के करीब 6 घंटे बाद, शाम 6:17 एक और पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- आज सुबह प्रधानमंत्री के पास आमों पर बात करने का समय था, लेकिन उन 18.5 लाख छात्रों के बारे में बोलने का समय नहीं था। राहुल ने आरोप लगाया कि छात्रों की कॉपियां मोबाइल फोन से स्कैन की गईं। उन्होंने कहा- मई 2025 में सीबीएसई के टेंडर में आंसर शीट को ऑटोमैटिक रोबोटिक स्कैनर से 300 डीपीआई क्वालिटी में स्कैन करने की शर्त थी। लेकिन अगस्त में जारी नए टेंडर में ये शर्तें हटा दी गईं और स्कैनिंग क्वालिटी 300 डीपीआई से घटाकर 200 डीपीआई कर दी गई। कांग्रेस बोली- 20 लाख छात्रों की प्राइवेसी खतरे में- कांग्रेस ने सीबीएसई की ओएसएम प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि क्लास 12 के करीब 20 लाख छात्रों की कॉपियां पब्लिक डोमेन में उपलब्ध थीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इसे बड़ा डेटा लीक बताते हुए छात्रों की निजता पर गंभीर खतरा बताया है। राहुल ने ओएसएम का काम करने वाली कंपनी पर सवाल उठाए थे राहुल गांधी ने 27 मई को ओएसएम का काम करने वाली कंपनी कैम्पट पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि सीबीएसई ने जिस कैम्पट कंपनी को एग्जाम के डिजिटल इवैल्यूएशन का ठेका दिया है, उसका पहले ग्लोबारिना नाम था। राहुल ने सवाल किया कि कैम्पट को सीबीएसई का ठेका क्यों और किसके कहने पर दिया गया। कौन-कौन से नियम और प्रक्रियाएं दरकिनार करके इस कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट दिया गया। कैम्पट पहले ग्लोबारिना नाम से विवादों में घिर चुकी थी, यह बात सीबीएसई को क्यों नहीं पता चली? कैम्पट प्रबंधन और मोदी सरकार के बीच क्या संबंध हैं। सीबीएसई ने कहा- कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट देने में नियमों का पालन हुआ- हालांकि, सीबीएसई ने राहुल के आरोपों को खारिज किया। सीबीएसई मुख्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि कैम्पट एडूटेक को कॉन्ट्रैक्ट देने में सभी जनरल फाइनल्स रूल्स और तय प्रक्रियाओं का पालन किया गया। आरोप गलत, भ्रामक और तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। सीबीएसई का कहना है कि इससे चेकिंग ज्यादा तेज और सटीक ढंग से होती है और मार्क्स जोड़ने या डेटा एंट्री में होने वाली गड़बड़ियों में कमी आती है। रिजल्ट के बाद उल्टा हुआ। स्टूडेंट्स ने सर्वर डाउन, पेमेंट फेल होने और ब्लर पेज जैसी शिकायतें कीं। कैम्पट पर तेलंगाना बोर्ड एग्जाम में गड़बड़ी के आरोप-कैम्पट एडूटेक तेलंगाना के दराबाद की कंपनी है। ये फर्म तेलंगाना, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों मे डिजिटल इवैल्यूएशन का काम करती है। 2019 में इसका नाम ग्लोबरेना टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड था।तब इस पर तेलंगाना में 12वीं के बोर्ड एग्जाम में डेटा प्रोसेसिंग में गड़बड़ी के आरोप लगे थे। उस साल राज्य में 9.74 लाख में से 3 लाख से ज्यादा बच्चे फेल हो गए थे।

आर माधवन हुए 56 के, शराब पीकर शूट किया 3 इडियट्स का सीन, इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन नहीं मिला तो पिता रोए

मुंबई। '3 इडियट्स', 'धुरंधर', 'रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट', 'तनु वेड्स मनु' और 'रहना है तेरे दिल में' जैसी कई फिल्मों में दमदार एक्टिंग करने वाले आर माधवन की गिनती बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के सबसे टैलेंटेड, सिंपल और वर्सेटाइल एक्टर्स में होती है। आर माधवन का '3 इडियट्स' में निभाया गया फरहान का किरदार और उसका डायलॉग 'अब्बा नहीं मानेंगे' आज भी सोशल मीडिया पर बने मीम्स में लोकप्रिय है। हालांकि यह कम लोग जानते हैं कि फरहान का किरदार माधवन की रियल लाइफ से काफी जुड़ा हुआ था। असल जिंदगी में भी उन्होंने अपने पिता से कहा था कि उन्हें नहीं पता वह क्या बनना चाहते हैं, लेकिन वह इंजीनियर नहीं बनना चाहते। यही वजह थी कि फरहान के किरदार की भावनाएं और संघर्ष पर्दे पर इतने नेचुरल लगे। सेना में शामिल होना चाहते थे-आर माधवन का जन्म 1 जून 1970 को झारखंड के जमशेदपुर (तब बिहार) में एक तमिल ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता टाटा स्टील में मैनेजमेंट एग्जीक्यूटिव थे और मां बैंक ऑफ इंडिया में मैनेजर थीं। कॉलेज के दौरान माधवन ने एनसीसी में हिस्सा लिया और भारत की तरफ से कई कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने ब्रिटिश आर्मी, नेवी और एयर फोर्स के साथ ट्रेनिंग भी की। वे भारतीय सेना में शामिल होना चाहते थे, लेकिन जब तक वे ट्रेनिंग पूरी कर लौटे, तब तक शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) की तय उम्र सीमा से वे सिर्फ 6 महीने बड़े हो चुके थे और नियमों के कारण वे सेना में शामिल नहीं हो पाए। माधवन ने पिता से कहा था- मैं इंजीनियरिंग नहीं करना चाहता-आर माधवन एक्स्ट्रा-करिकुलर एक्टिविटीज, एनसीसी और कम्युनिकेशन में बेहद तेज, लेकिन पढ़ाई के मामले में एवरेज स्टूडेंट थे। माधवन ने रणवीर अलाहबादिया को दिए इंटरव्यू में बताया था, 'मैं 8वीं में फेल हो गया था। मैथ्स में 39फीसदी आए थे। स्कूल ने मुझे अगली क्लास में जाने नहीं दिया।' एक्टर ने बताया था कि उनके पैरेंट्स इस बात से बेहद दुखी थे। दक्षिण भारतीय परिवार से आने वाले उनके पैरेंट्स चाहते थे कि बेटा इंजीनियर बने, टाटा स्टील में नौकरी करे और एक स्थिर जिंदगी जिए। उन्होंने कहा था, 'मेरे पैरेंट्स को लगता था कि मैं जिंदगी में कुछ नहीं कर पाऊंगा। उन्हें डर था कि मेरी शादी तक नहीं होगी।' बाद में जब माधवन को इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन नहीं मिला, तब उनके पिता टूट गए थे। माधवन ने बताया था कि उनके पिता की आंखों में आंसू थे। माधवन ने कहा था, 'पिता ने मुझसे पूछा- मैंने तुम्हारे साथ क्या गलत किया है? तुम करना क्या चाहते हो?' इस पर उन्होंने कहा, उन्हें नहीं पता वो क्या करना चाहते हैं, लेकिन वो इंजीनियरिंग नहीं करना चाहते। अपनी स्टूडेंट से शादी की- आर माधवन और उनकी पत्नी सरिता बिरजे की लव स्टोरी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है।

दिलचस्प बात ये है कि जिस लड़की से आगे चलकर माधवन ने शादी की, वो कभी उनकी स्टूडेंट हुआ करती थीं। माधवन जब कोल्हापुर में बीएससी में ग्रेजुएशन कर रहे थे, इसी दौरान उन्होंने पब्लिक स्पीकिंग का कोर्स शुरू किया। उन दिनों कोल्हापुर में उनकी क्लासेस काफी मशहूर थीं। माधवन और सरिता की पहली मुलाकात भी इन्हीं क्लासेस के दौरान हुई थी। 'द बॉम्बे जर्नी' में माधवन ने कहा था, 'वो (सरिता) अपनी कजिन से मिलने कोल्हापुर आई थीं। उनकी कजिन मेरी क्लासेस में पढ़ती थीं।'

इसके बाद सरिता भी आर माधवन की स्टूडेंट बनीं और उनसे पब्लिक स्पीकिंग की क्लासेस लीं। कोर्स खत्म होने के बाद सरिता एयर होस्टेस बन गईं। इसके पीछे वो माधवन की क्लासेस को ही वजह मानती थीं। इसके बाद उन्होंने माधवन को डिनर पर बुलाया। इसके बाद दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई और बाद में दोनों ने शादी की। मणिरत्नम का फोन आया तो बड़ा ब्रेक डायरेक्टर मणिरत्नम की फिल्म 'अलैपायुथे' से मिला। मणिरत्नम से जुड़ा भी दिलचस्प किस्सा है। दरअसल, 90 के दशक में माधवन सिनेमैटोग्राफर संतोष सिवन के साथ एक विज्ञापन शूट कर रहे थे। उसी दौरान संतोष ने उनकी कुछ तस्वीरें मणिरत्नम को दिखाई थीं। इसके बाद मणिरत्नम ने माधवन को अपनी फिल्म 'इरुवर' के लिए फोन किया। जब उन्हें कॉल में कहा गया कि वो मणिरत्नम बोल रहे हैं, तो माधवन को लगा कि उनके दोस्त मजाक कर रहे हैं, इसलिए उन्होंने फोन काट दिया।इसके बाद मणिरत्नम ने एक बार फिर कॉल किया। इस बार वो तमिल में बात करने लगे। तब उन्हें यकीन हुआ कि मणिरत्नम ही हैं, क्योंकि उनके दोस्त तमिल में बात नहीं कर सकते थे। मणिरत्नम ने माधवन से बात की, ऑडिशन के लिए बुलाया, लेकिन उन्हें फिल्म के लिए रिजेक्ट कर दिया। यह कहते हुए कि उनकी आंखें बहुत कम उम्र की लगती हैं, इसलिए वो उस रोल में फिट नहीं बैठते। हालांकि, उन्होंने वादा किया कि भविष्य में वो जरूर साथ काम करेंगे। मणिरत्नम ने माधवन को अपनी फिल्म 'अलैपायुथे' में कास्ट किया। इसी फिल्म से लीड रोल के तौर आर माधवन का करियर शुरू हुआ। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और वो स्टार बन गए। इस फिल्म का हिंदी रीमेक 'साथिया' के नाम से बनाया गया था। शराब वाला सीन असली दिखाने के लिए शराब पीफिल्म '3 इडियट्स' की गिनती आर माधवन की सबसे फेमस फिल्मों में होती है। उनका रोल फरहान आज की पीढ़ी में भी बहुत फेमस है और इस पर कई मीम भी बने। इस फिल्म के शराब वाले सीन को असली दिखाने के लिए तीनों एक्टर्स आमिर खान, आर माधवन और शरमन जोशी ने सचमुच शराब पी ली थी। माधवन ने रणवीर अलाहबादिया के पॉडकास्ट में बताया था कि ये आइडिया आमिर खान का था। उनका मानना था कि नशे की एक्टिंग करने से बेहतर है थोड़ा सचमुच पी लिया जाए, क्योंकि असली नशे में इंसान नॉर्मल बनने की कोशिश करता है। माधवन ने कहा था, 'आमिर का कहना था कि कभी शराबी बनने की एक्टिंग मत करो। शराब पीकर नॉर्मल बनने की कोशिश करो, तभी वो असली लगेगा।' तीनों ने प्लान बनाया कि शूटिंग से पहले 3-4 पेग लेंगे और फिर सीन शूट करेंगे, लेकिन तभी शूटिंग में तकनीकी दिक्कत आ गई और शूट 2 घंटे लेट हो गया। माधवन ने हंसते हुए बताया था, 'हमने सोचा कि शरीर में उतना ही अल्कोहल बनाए रखना है, इसलिए पीते रहे, लेकिन हमें नहीं पता था कि बैंगलोर की ठंडी हवा शराब का असर इतना बढ़ा देगी।' उन्होंने कहा था, 'जब शूट शुरू हुआ तो हमें लग रहा था कि हम बिल्कुल नॉर्मल हैं, लेकिन असल में एक-एक डायलॉग बोलने में घंटों लग रहे थे।' 'रॉकेट्री' के लिए दांत तक तुड़वा लिए थे माधवन-'रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट' सिर्फ आर माधवन की फिल्म नहीं थी, यह उनका पैशन था। माधवन ने फिल्म में साइंटिस्ट नांबी नारायणन का रोल करने के लिए खुद को पूरी तरह बदल लिया था। आजकल फिल्मों में उम्र बदलने के लिए ज्यादातर एक्टर्स प्रोस्थेटिक मेकअप का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन माधवन ने आसान रास्ता नहीं चुना। उन्होंने लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म में 29 साल से लेकर 80 साल तक का लुक दिखाना था और इसके लिए उन्होंने कोई प्रोस्थेटिक इस्तेमाल नहीं किया। माधवन ने कहा था, 'हमने कोई प्रोस्थेटिक यूज नहीं किया। मैंने सच में वजन बढ़ाया, वजन घटाया, बाल बढ़ाए।' सबसे दर्दनाक बदलाव उनके दांतों का था। माधवन ने बताया था कि नांबी नारायणन जैसा दिखने के लिए उन्होंने अपने दांतों की बनावट तक बदलवा दी थी। उन्होंने कहा था- 'मैंने अपने दांत टेढ़े करवाए। उन्हें वापस ठीक होने में डेढ़ साल लगे।' 'रॉकेट्री' में शाहरुख खान ने फ्री में काम किया था- फिल्म 'रॉकेट्री' में शाहरुख खान ने कैमियो किया था और इसके लिए उन्होंने कोई जवाब आया- शाहरुख पूछ रहे हैं, डेट्स कब देनी हैं?' माधवन को तब भी यकीन नहीं हो रहा था। उन्होंने सोचा था कि शायद सिर्फ दिल रखने के लिए कहा गया होगा, लेकिन शाहरुख ने पूरा समय निकालकर शूटिंग की। माधवन ने बताया था, 'शाहरुख अपनी पूरी टीम के साथ आए थे। उन्होंने डायलॉग समझने के लिए अलग से राइटर तक रखा था। उन्होंने मुझसे एक पैसा नहीं लिया।' बेटे वेद करियर के लिए दुबई शिफ्ट हो गए थे माधवन आर माधवन के बेटे वेदांत माधवन ने स्विमिंग को अपना करियर चुना है। नेशनल लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने 5 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल जीते। माधवन ने बेटे वेदांत के करियर के चलते दुबई में शिफ्ट होने का फैसला किया। दरअसल, वेदांत प्रोफेशनल स्विमिंग की ट्रेनिंग ले रहे थे। तभी कोविड आ गया और भारत में स्विमिंग पूल बंद हो गए। रणविजय सिंह के साथ बातचीत में माधवन ने बताया था, 'मैंने बहुत पहले पढ़ा था कि 9 से 15 साल की उम्र बच्चों का ग्रोथ स्पर्ट पीरियड होता है। उसी समय उन्हें सबसे ज्यादा एक्सरसाइज और फिजिकल ट्रेनिंग की जरूरत होती है।' उन्होंने कहा था, 'दुर्भाग्य या सौभाग्य से वेदांत का ग्रोथ स्पर्ट कोविड के दौरान आया। भारत में सारे पूल बंद थे, तो हम बहुत परेशान थे।' माधवन ने बताया था कि एक दिन उनकी पत्नी सरिता ने फैसला लिया कि अब इंतजार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा था, 'मेरी पत्नी ने कहा- बस बहुत हो गया। दुबई में पूल खुले हैं। वो अगस्त 2020 में अकेले ही वेदांत को लेकर दुबई चली गईं।' माधवन ने बताया था कि कुछ समय बाद वो भी दुबई के दिनों में मैं उनके गाने सुनती थी। मेरी आवाज पतली और नाजुक थी, मैं क्या कर सकती थी। शुरुआत में रेडियो सेलोन, मेरे गानों को बिना नाम के चलाते थे, जिससे लोगों को ज्यादा भ्रम होता था। कभी-कभी मेरे रिकॉर्ड्स में नाम भी गलत लिखा होता था। एक समय जब एचएमवी ने 50 बेस्ट गानों की रिकॉर्डिंग जारी की, तो उसमें सबसे ज्यादा गाने सुमन के डाले गए। जबकि कैसेट के कवर में सिर्फ मोहम्मद रफी, तलत महमूद और किशोर कुमार की तस्वीर लगाई गई थी। दावाः ऐ मेरे वतन के लोगों गाने की पहली पसंद थीं सुमन, आखिरी वक्त में छीना गया-सालों पहले नांदेड़ में आयोजित आषाढी महोत्सव के दौरान सुमन कल्याणपुर ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि मशहूर गाना ऐ मेरे वतन के लोगों, उनके लिए लिखा गया था। वो ये गाना तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के सामने गाने वाली थीं। उन्होंने गाने की प्रैक्टिस भी कर ली थी, लेकिन परफॉर्मेंस से ठीक पहले, वो गाना लता मंगेशकर को दे दिया गया। इंटरव्यू में सुमन ने कहा था, जब मैं कार्यक्रम के दौरान गाना गाने के लिए मंच के पास पहुंची तो मुझे रोका गया और कहा गया कि मैं इस गाने की बजाय दूसरा गाना गाऊं। ऐ मेरे वतन लोगों मुझसे छीन लिया गया था यह मेरे लिए बड़ा सदमा था। वह बात आज भी चूभती है। अमीन सयानी को 45 साल इंतजार कराया-जाने-माने रेडियो अनाउंसर अमीन सयानी 45 सालों तक सुमन से एक इंटरव्यू के लिए समय मांगते रहे, लेकिन सुमन हर बार टाल जाती थीं। आखिर 45 साल के बाद अमीन सयानी का इंतजार 2005 में खत्म हुआ, जब सुमन एक घंटे के इंटरव्यू के लिए राजी हुईं। हालांकि उन्होंने इंटरव्यू की मंजूरी सिर्फ इस शर्त पर दी कि कोई उनकी फोटो नहीं खींचेगा और अगर कोई सवाल उन्हें असहज लगा तो वो उसका जवाब नहीं देंगी। पड़ोसी ने पिता से संगीत सिखाने को कहा-सुमन का रुझान बचपन से ही पेंटिंग और म्यूजिक की तरफ था। उन्होंने आर्ट्स में ग्रेजुएशन किया। वे पेंटर बनना चाहती थीं, लेकिन सुमन की आवाज को उनके पड़ोसी और पिता के दोस्त पंडित केशव राव भोले ने परख लिया था। उन्होंने सुमन के पिता से संगीत सिखाने की बात कही। पहले तो सुमन शौकिया ही संगीत सीख रहीं थीं, लेकिन समय के साथ इसमें उनकी रुचि बढ़ने लगी और वो गंभीरता से सीखने लगीं। सुमन ने उस्ताद खान अब्दुल रहमान खान और मास्टर नवरंग जैसे दिग्गजों से भी संगीत की बारीकियां सीखीं।

गायिका सुमन कल्याणपुर का निधन,आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे, ना ना करते प्यार जैसे कई गाने मशहूर रहे, लता की हूबहू परछाई कहते थे लोग

मुंबई। गायिका सुमन कल्याणपुर का रविवार शाम को मुंबई में 89 की उम्र में निधन हो गया। रिपोर्ट्स में मौत की वजह उम्र से जुड़ी दिक्कतें बताई जा रही हैं। उनकी करीबी दोस्त मंगला खाडिलकर ने बताया कि सुमन ने रात करीब 8 बजे अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ दिनों से अपने ही गाए हुए गाने सुन रही थीं। उन्होंने बहुत शांति से दुनिया को अलविदा कहा। उनका अंतिम संस्कार सोमवार सुबह करीब 11:30 से 12 बजे के बीच पवनहंस श्मशान घाट पर किया जाएगा। उनके परिवार में उनकी बेटी चारू हैं। सुमन को 2023 में पद्मभूषण सम्मान मिला था। सुमन की आवाज की तुलना अक्सर लता मंगेशकर की आवाज से होती थी। फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने 11 भाषाओं में 3000 से ज्यादा फिल्मी-नॉन फिल्मी गाने गाए। 1960 और 1970 के दशक में खास पहचान बनाई सुमन कल्याणपुर ने 1960 और 1970 के दशक में अपनी सुरीली आवाज से संगीत जगत में एक खास पहचान बनाई थी। उस दौर में लता मंगेशकर जैसी महान गायिका के रहते हुए भी उन्होंने अपनी अलग जगह बनाई। उनके गाए 'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे', 'ना ना करते प्यार तुम्हीं से' और 'तुमने पुकारा और हम चले आए' जैसे गाने आज भी लोकप्रिय हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा मराठी, असमी, कन्नड़, बंगाली और ओडिया समेत कई भाषाओं में गाने गाए। हालांकि लोग अक्सर उनकी आवाज की तुलना लता मंगेशकर से करते थे, लेकिन सुमन हमेशा इस तुलना को खारिज करती थीं। साल 2022 के एक इंटरव्यू में उन्होंने लता को अपना बेहद करीबी दोस्त बताते हुए कहा था कि उनसे मिलना हमेशा एक सहेली से मिलने जैसा एहसास कराता था। लता मंगेशकर से मिलती थी आवाज सुमन कल्याणपुर की आवाज लता मंगेशकर से मिलती थी। दोनों के गाने का अंदाज और सुरों पर पकड़ एक जैसी मानी जाती और मोहम्मद रफी के बीच विवाद हुआ तो सुमन कल्याणपुर संगीतकारों की पसंद बनीं और उन्होंने रफी साहब के साथ एक से बढ़कर एक ब्लॉकबस्टर गाने गाए।इस पर बात करते हुए सुमन कल्याणपुर ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं उनसे बहुत प्रभावित थी। कॉलेज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बिगड़े प्रकाश राज के बोल,कहा- पता नहीं चाय बेचते थे या भीख मांगते थे, ट्रोलर्स बोले- आपने देश के लिए क्या किया

चेन्नई। साउथ के जाने-माने एक्टर प्रकाश राज ने फिर एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने नरेंद्र मोदी के चाय बेचने वाले दावे पर सवाल उठाते हुए, आपत्तिजनक बातें कही हैं। दरअसल, एक सोशल मीडिया यूजर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए लिखा था, मुझे पूरा यकीन है कि मोदी न तो चाय बेचने वाले थे और न ही भिखारी थे, वह पैदाइशी झूठे हैं। इस पर प्रकाश राज ने रिएक्ट करते हुए लिखा है, मुझे नहीं पता कि उन्होंने कभी चाय बेची थी या भीख मांगी थी या नहीं। लेकिन मैं उनके झूठों का गवाह रहा हूं। बताइए मेरी इस बात से कौन कौन सहमत है। सिर्फ पूछ रहा हूं। प्रकाश राज की हुई आलोचना-नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए बयान के बाद प्रकाश राज की जमकर आलोचना हो रही है। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा है, 'जब किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई ठोस बात नहीं मिलती और आप उस पर शारीरिक रूप से भी हमला नहीं कर सकते, तब आप उसके चरित्र हनन और तंज कसने का सहारा लेने लगते हैं।' वहीं एक यूजर ने लिखा, 'आपको सिर्फ आलोचना करने के बजाय देश को आगे बढ़ाने में योगदान देना चाहिए। बेकार की बातें करने और सरकार की आलोचना करने के बजाय राष्ट्र निर्माण में मदद कीजिए। क्या आपने कभी सरकार या देश के लिए कुछ किया है? लोग हमेशा यही क्यों सोचते हैं कि सरकार उन्हें मुफ्त सुविधाएं देती रहे? नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए।'

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।